" दीप हैं जलते रहेंगे, हम प्रलय की आँधियों से अन्त तक लड़ते रहेंगे।"

पूर्वोत्तर भारत शिलचर (असम) से प्रकाशित लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

प्रेरणा भारती

प्रेरणा भारती NEWS NETWORK

www.preranabharati.com Email: preranabharati@gmail.com

Postal Registration No.RN-SC-36/2023-25 (RNI No.) ASSHIN/2016/69550 अंक - 193 वर्ष -11 अषाढ़ शुक्ल पंचमी 2082 सोमवार (20 जुलाई 2026) मूल्य-5 रुपये, पृष्ठ-6, preranabharati@gmail.com

हरिदर्शन
HARIDARSHAN
हमारे यहाँ धार्मिक पुस्तक के साथ पूजा-पाठ, हवन-पूजन की सामग्री उचित मूल्य पर प्राप्त करें
मेहरपुर, शिलचर, असम-788015
मो.नं. 9435213512,

२५ दिसंबर से शुरू होगा मिशन बसुंधरा ४.०, ३.५ लाख चाय श्रमिकों को मिलेगा का भूमि पट्टा

गुवाहाटी, १९ जुलाई (हि.स.)। असम में मिशन बसुंधरा ४.० की शुरुआत आगामी २५ दिसंबर से होगी। यह जानकारी राज्य के राजस्व मंत्री केशव महंत ने एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत में दी।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ३ लाख ५० हजार चाय बागान श्रमिकों को भूमि पट्टा प्रदान करेगी। मंत्री ने कहा कि यह पहल चाय श्रमिकों को भूमि अधिकार सुनिश्चित करने और उनके सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।उन्होंने कहा कि सरकार चाय श्रमिकों को भूमिका पट्टा देने के प्रति प्रतिबद्ध है। बसुंधरा २ और ३ के तहत भी चाय मजदूरों को भूमिका पट्टा दिया गया था।

असम में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को मजबूत बनाने पर जोर, स्थानीय लघु उद्योग को मिलेगा बढ़ावा: मुख्यमंत्री

गुवाहाटी, १९ जुलाई (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार सेमीकंडक्टर क्षेत्र के लिए कुशल स्थानीय मानव संसाधन तैयार करने के उद्देश्य से बडे.निवेश के साथ एक मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित कर रही है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि इस दिशा में राज्य ने पहले ही उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है।उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य यह भी है कि सेमीकंडक्टर उद्योग में उपयोग होने वाले छोटे-छोटे पुर्जों और सहायक सामग्रियों का उत्पादन असम के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) कर सकें, ताकि स्थानीय उद्योगों को इस उभरते उच्च-प्रौद्योगिकी क्षेत्र से जोड़कर रोजगार और औद्योगिक विकास को बढावा दिया जा सके।

शिक्षा निःशुल्क होनी चाहिए,प्रतिभाशाली निर्धन विद्यार्थियों का सहयोग समाज की जिम्मेदारी: डॉ. कृष्ण गोपाल

लखनऊ में महामना शिक्षण संस्थान का भव्य स्वागत समारोह सम्पन्न

लखनऊ से विशेष प्रतिनिधि, १९ जूलाई। भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित महामना शिक्षण संस्थान के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत एवं पूर्व विद्यार्थियों के सम्मान में रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। समारोह में शिक्षा, संस्कार, राष्ट्रनिर्माण और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे तथा आर्थिक रूप से कमजोर किंतु प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि भारत में प्राचीन काल से शिक्षा निशुल्क देने की गौरवशाली परंपरा रही है। देश विश्व का ज्ञान केंद्र था, जहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करने आते थे। उन्होंने कहा कि विदेशी आक्रमणों और बाद में अंग्रेजी शासन के दौरान भारतीय शिक्षा व्यवस्था को गंभीर क्षति पहुँची तथा शिक्षा को शुल्क आधारित बनाया गया।उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का स्पष्ट मत था कि बच्चों को योग्य बनाना समाज का दायित्व है। यदि विद्यार्थी शिक्षा के लिए भारी शुल्क चुकाने को विवश होंगे तो समाज के प्रति उनके दायित्वबोध पर भी प्रतिकूल प्रभाव पडेग़ा। उन्होंने कहा कि आज देश में आधुनिक राजमार्ग, हवाई अड्डे और उद्योगों का तेजी से विकास हो रहा है, किंतु शिक्षा व्यवस्था में समान अवसरों का अभाव चिंता का विषय है। यह असमानता समाज में निराशा और हताशा को जन्म देती है।

डॉ. कृष्ण गोपाल ने महामना पंडित मदन मोहन मालवीय का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने काशी हिंदू विश्वविद्यालय में निर्धन विद्यार्थियों की फीस माफ करने जैसी अनेक लोकहितकारी पहल की थीं। उन्होंने महामना शिक्षण संस्थान द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

१८५७ की क्रांति की पहली चिंगारी अमर शहीद मंगल पांडेय को शीलचर में भावभीनी श्रद्धांजलि

शिव कुमार,शीलचर, १९ जुलाई। भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत और अमर शहीद मंगल पांडेय की १९९वीं जयंती के अवसर पर रविवार को शीलचर के घुंघूर स्थित मंगल पांडेय चौक में श्रद्धा, सम्मान और राष्ट्रभक्ति के वातावरण के बीच भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बडी संख्या में स्थानीय नागरिकों, समाजसेवियों तथा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर अमर शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की।कार्यक्रम का आयोजन शहीद मंगल पांडेय स्थापना समिति द्वारा किया गया। उपस्थित लोगों ने देश की स्वतंत्रता के लिए मंगल पांडेय के अद्वितीय बलिदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।समिति के सचिव प्रदीप कुमी ने कहा कि आज अमर शहीद मंगल पांडेय की १९९वीं जयंती मनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष २०२५ में घुंघूर में मंगल पांडेय की प्रतिमा स्थापित होने के बाद से समिति प्रत्येक वर्ष चार प्रमुख कार्यक्रम आयोजित करती है, जिनमें उनकी जयंती, शहादत दिवस, २६ जनवरी और १५ अगस्त शामिल हैं। उन्होंने सभी अतिथियों, मार्गदर्शक मंडल के सदस्यों तथा स्थानीय लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समिति का उद्देश्य नई पीढी को मंगल पांडेय के जीवन, संघर्ष और बलिदान से परिचित कराना है।उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर हुई एक टिप्पणी का भी उल्लेख करते हुए कहा कि कई लोग इतिहास की सही जानकारी के अभाव में ऐसी बातें लिख देते हैं। उनका मानना है कि यह दुर्भावना से अधिक जानकारी की कमी का परिणाम है। उन्होंने कहा कि वर्ष २०२७ में अमर शहीद मंगल पांडेय की २००वीं जयंती के अवसर पर समिति एक माह तक विभिन्न जागरूकता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करेगी, ताकि अधिक से अधिक लोग उनके योगदान से परिचित हो सकें।प्रदीप कुमी ने यह भी कहा कि इतिहास में १८५७ के आंदोलन को लंबे समय तक केवल 'सिपाही विद्रोह' कहकर प्रस्तुत किया गया, जबकि वास्तव में मंगल पांडेय ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध स्वतंत्रता की वह पहली चिंगारी प्रज्वलित की, जिसने आगे चलकर पूरे देश में आजादी की लडाई को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि मंगल पांडेय केवल एक सैनिक नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम महानायक थे।

इस अवसर पर भारतीय जनता पाटी, कछाड.जिला के सचिव अमिताभ राय ने कहा कि अमर

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

सीमा विवाद के नाम पर वन क्षेत्र का विनाश बर्दाश्त नहीं होगा : वन मंत्री

गोलाघाट (असम), १९ जुलाई (हि.स.)। असम के वन मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने रविवार को कहा कि सीमा विवाद के नाम पर वन क्षेत्र को नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में सरकार सख्त और उचित कार्रवाई करेगी।रविवार को एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए वन मंत्री ने बेहाली वन क्षेत्र में हुई गोलीबारी की घटना पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।वन मंत्री ने बताया कि राज्य में हाथी-मानव संघर्ष की घटनाओं को रोकने के लिए जल्द ही एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की जाएगी। असम विधानसभा में इसे पेश किया जाएगा। इसके अलावा, बंदरों के बढते उत्पात से निपटने के लिए भी अलग से एसओपी तैयार की जाएगी।मंत्री ने कहा कि फॉरेस्ट की जमीन को बेदखल करने वाले लोगों के खिलाफ अभियान जोरदार तरीके से शुरू होगा।

समानांतर फसलों की खेती से किसानों की आय बढ़ेगी कई गुना : कृषि मंत्री पीयूष

गोलाघाट (असम), १९ जुलाई (हि.स.)। असम के कृषि, सिंचाई एवं संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने रविवार को गोलाघाट जिले के खुमटाई विधानसभा क्षेत्र का दौरा कर कृषि गतिविधियों और सिंचाई परियोजनाओं का जायजा लिया तथा किसानों से संवाद किया।

मंत्री ने थुरामुख क्षेत्र में किसानों से मुलाकात की, जो प्रतिकूल मौसम के बावजूद खेती के कार्य में जुटे थे। किसानों ने बताया कि वर्ष में तीन

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

नई दिल्ली में बनेगा चौथा असम भवन, द्वारका सेक्टर-१७ में होगा निर्माण

गुवाहाटी/नई दिल्ली, १९ जुलाई (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ.

हिमंत बिस्व सरमा ने घोषणा की है कि नई दिल्ली में असम का चौथा असम भवन बनाया जाएगा। यह भवन द्वारका सेक्टर-१७ में निर्मित होगा।मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि भवन निर्माण का कार्य जनवरी-फरवरी के बीच शुरू होने की संभावना है। नए असम भवन में असम की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को दर्शाने के लिए नामघर और गुरु आसन की भी व्यवस्था की जाएगी।नई दिल्ली दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने द्वारका में निर्माण के अंतिम चरण में पहुंचे तीसरे असम हाउस का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने प्रस्तावित चौथे असम भवन के लिए चिन्हित भूमि का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि नया असम भवन राष्ट्रीय राजधानी में असम के लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ राज्य की सांस्कृतिक पहचान को भी सशक्त करेगा।

मुख्यमंत्री के नाम से फर्जी ईमेल बनाकर ठगी की कोशिश, एक गिरफ्तार

गुवाहाटी, १९ जुलाई (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के नाम से फजी ईमेल आईडी बनाकर लोगों को कथित सरकारी संदेश भेजने के मामले में सीआईडी की साइबर पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है।सीआईडी की ओर से जारी बयान के अनुसार, १६ जुलाई को इस मामले में सीआईडी साइबर थाना केश नंबर ११/२०२६ दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया कि लरींीरार्सीं.ळपऽसारळश्र.ले नामक संदिग्ध ईमेल आईडी बनाकर मुख्यमंत्री की पहचान का दुरुपयोग किया जा रहा था तथा दुर्भावनापूर्ण उद्देश्य से लोगों को कथित आधिकारिक संचार भेजे जा रहे थे।जांच के दौरान पुलिस ने रविवार को पंकज दास (३४) को उसके कामरूप जिले के चांगसारी थाना अंतर्गत धोपारतारी स्थित आवास से गिरफ्तार किया। आरोपित के पिता का नाम अजीत दास बताया गया है।पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया, जहां से उसे आगे की पूछताछ के लिए तीन दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। मामले की जांच जारी है।

सोमवार से शुरू होगा जनगणना २०२७ हेतु कर्मचारियों का प्रशिक्षण

देश के सबसे बडे. आंकडा संकलन अभियानों में से एक के लिए कछार कॉलेज में चरणबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा

प्रे.सं. सिलचर, १९ जुलाई: भारत की जनगणना २०२७ की तैयारियों के तहत कछार जिले में सोमवार से कछार कॉलेज, सिलचर में पर्यवेक्षकों (सुपरवाइजर) और प्रगणकों (एन्यूमरेटर) के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू होने जा रहा है। यह प्रशिक्षण जिले में जनगणना संबंधी कार्यों को संपादित करने वाले मैदानी कर्मचारियों को तैयार करने की

दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।चार चरणों में आयोजित होने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पर्यवेक्षकों और प्रगणकों को जनगणना की प्रक्रियाओं तथा मैदानी गणना के व्यावहारिक पहलुओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, प्रशिक्षण सत्रों में प्रतिभागियों को जनगणना अनुसूचियों, आंकडा संग्रहण की विधियों, सत्यापन प्रक्रिया, प्रतिवेदन प्रारूप तथा सर्वेक्षण के दौरान मैदानी कर्मचारियों की जिम्मेदारियों से अवगत कराया जाएगा।प्रशिक्षण प्रतिदिन सुबह ९:३० बजे से शाम ५:३० बजे तक आयोजित होगा। पहला चरण २०, २१ और २२ जुलाई को, दूसरा चरण २४, २५ और २७ जुलाई को, तीसरा चरण २९, ३० और ३१ जुलाई को तथा चौथा एवं अंतिम चरण ३, ४ और ५ अगस्त को आयोजित किया जाएगा।कार्यक्रम से जुडे.अधिकारियों ने बताया कि जनगणना के दौरान एकत्र की जाने वाली जानकारी की शुद्धता,

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

होली क्रॉस स्कूल ने शिक्षिका पर प्रताड़ना के आरोपों को बताया निराधार, कहा छवि खराब करने की हो रही कोशिश

चंद्रशेखर ग्वाला सिलचर। १९ जुलाई: सिलचर के प्रतिष्ठित होली क्रॉस स्कूल ने अपनी शिक्षिका पर लगाए गए मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए इन्हें विद्यालय की छवि धूमिल करने का प्रयास करार दिया है। शुक्रवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में विद्यालय प्रबंधन, प्रधानाचार्या और शिक्षकों ने पूरे घटनाक्रम पर विस्तार से अपना पक्ष रखा।विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, १५ मई को कक्षा पांच के दो छात्र अयन शर्मा और अली सरफराज खेल-खेल में आपस में उलझ गए थे। स्थिति को देखते हुए कक्षा शिक्षिका कुमकुम नाथ ने तत्काल हस्तक्षेप कर दोनों छात्रों को अलग किया और उन्हें समझाकर मामला शांत करा दिया। इसके बाद दोनों छात्रों के अभिभावकों को विद्यालय बुलाया गया, जहां प्रधानाचार्या की उपस्थिति में बातचीत के माध्यम से विवाद का समाधान कर लिया गया था।प्रबंधन का आरोप है कि इसके बावजूद एक छात्र की माता माम्पी मालाकार ने समझौते को स्वीकार नहीं किया और एक स्थानीय डिजिटल पोर्टल के माध्यम से शिक्षिका पर मानसिक एवं शारीरिक उत्पीडऩ के आरोप लगाए। बाद में यह खबर सोशल मीडिया और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हो गई।विद्यालय ने दावा किया कि यदि छात्र के साथ वास्तव में किसी प्रकार की प्रताड़ना हुई होती, तो वह अगले दिन से नियमित रूप से विद्यालय नहीं आता। प्रबंधन ने उपस्थिति रजिस्टर का हवाला देते हुए कहा कि घटना के बाद दोनों छात्र लगातार स्कूल आते रहे और एक भी दिन अनुपस्थित नहीं रहे।संवाददाता सम्मेलन में शिक्षकों ने आरोप लगाया कि शिक्षिका कुमकुम

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

२.८० लाख में बराक लीजेंड्स से जुड़े युवा विकेटकीपर अमन सिंह

प्रे.सं.शिलचर।१९ जुलाई : असम प्रीमियर लीग (APL) की नीलामी में उभरते हुए युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज अमन सिंह को बाराक लीजेंड्स ने ?२.८० लाख की बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया है। २० वर्षीय अमन के चयन से बराक घाटी के क्रिकेट प्रेमियों में खुशी की लहर है।अमन ने अब तक ६३ मैचों में १,८६१ रन बनाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत ३१.५ है, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर १३० रन है। लगातार बेहतर प्रदर्शन के दम पर उन्होंने कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा का प्रभाव छोडा है। अमन सिंह, कटहल रोड, शिलचर स्थित आटो श्रृंगार के मालिक उदय सिंह के पुत्र हैं। उनके एपीएल में चयन पर परिवार, मित्रों और खेलप्रेमियों ने खुशी व्यक्त करते हुए आगामी सत्र के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

वन तारापुर में असम विश्वविद्यालय के आतिथ्य एवं पर्यटन प्रबंधन विभाग का जनसंपर्क अभियान

प्रे.सं. सिलचर, १९ जुलाई: असम विश्वविद्यालय के आतिथ्य एवं पर्यटन प्रबंधन विभाग की ओर से कछार जिले के वन तारापुर में एक जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य व्यक्तिगत स्वच्छता, आतिथ्य, पर्यटन विकास, स्थानीय संस्कृति के संरक्षण तथा सतत ग्रामीण विकास के प्रति लोगों में जागरूकता बढाना था।विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार सक्सेना के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रो. एस. एन. विश्वास, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. प्रणबेश चक्रवती तथा विभाग के शोधार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय निवासियों को स्वच्छता, स्वास्थ्यकर वातावरण बनाए रखने, जिम्मेदार नागरिक व्यवहार अपनाने तथा पर्यटकों का आत्मीयता और शिष्टाचार के साथ स्वागत करने के बारे में जागरूक किया गया। इसके साथ ही पर्यटन उद्योग के माध्यम से रोजगार सृजन, लघु व्यवसायों को बढावा देने, स्थानीय संस्कृति के विकास तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ.बनाने की संभावनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम के अंतर्गत विभाग के प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय बुनकरों एवं हस्तशिल्प कारीगरों के साथ विचार-विमर्श किया। प्रतिनिधियों ने बताया कि हथकरघा एवं हस्तनिर्मित उत्पादों को पर्यटन से जोडक़र स्थानीय कारीगरों के लिए आय के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। साथ ही यह पहल पारंपरिक बुनाई कला और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपने अनुभव और सुझाव साझा किए। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने बराक संग्रहालय एवं पुस्तकालय का भी भ्रमण किया। इस अवसर पर बराक घाटी के इतिहास, साहित्य और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में इन संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय समुदाय के आपसी सहयोग से उत्तरदायी पर्यटन, हथकरघा उद्योग के विस्तार तथा सतत ग्रामीण विकास को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है।

!! नकारात्मक विचारों का आना तय है, परन्तु यह आप पर निर्भर करता है कि आप उन्हे कितना महत्व देते हैं। !!

सम्पादकीय.....

लक्ष्य से परे: भारत में खुदरा मुद्रा स्फीति

बढती मुद्रा स्फीति के कारण ब्याज दरों में कटौती की कोई गुंजाइश नहीं है, नई सीपीआई श्रृंखला के तहत भारत की खुदरा मुद्रा स्फीति दर पहली बार भरारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के चार फीसदी के लक्ष्य से परे चली गई है। यह जून में बढक़र ४.३८ फीसदी हो गई। मई में यह दर ३.९३ फीसदी और एक साल पहले लगभग २.७ फीसदी थी। ताजा आंकडे.कीमतों के दबाव के व्यापक असर को दिखाते हैं। यह दबाव पहले मुख्य रूप से उत्पादक के स्तर तक ही सीमित था, लेकिन फरवरी के आखिर में अमेरिका-ईरान के बीच हुए टकराव के बाद परिवहन और ईंधन की बढती लागत की वजह से अब आगे भी फैल गया है। नतीजतन, थोक और खुदरा मुद्रा स्फीति के बीच का अंतर बहुत मामूली रूप से कम हुआ है। थोक मुद्रा स्फीति दर (डब्ल्यूपीआई), जो अब २०२२-२३ पर आधारित है, जून में ९.८७ फीसदी के ऊंचे स्तर पर बनी रही, जबकि मई में यह ९.६८ फीसदी थी। उत्पादकों पर ईंधन और बिजली का सबसे ज्यादा दबाव बना रहा तथा इनमें मुद्रा स्फीति दर २७.४१ फीसदी दर्ज की गई, जो मई के २८.१८ फीसदी से थोडी ही कम है। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग ९० फीसदी आयात करता है। जून में सामानों के आयात की कीमत बढक़र ७०.८ बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई, जो एक साल पहले लगभग ५४.१ बिलियन अमेरिकी डॉलर थी। जबकि, आयात की मात्रा में उस अनुपात में बढोतरी नहीं हुई। इससे पता चलता है कि कच्चे तेल की कीमतों (जो कुछ समय के लिए ११० डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई थीं) के कारण बढी आयातित मुद्रा स्फीति ने कैसे पूरी अर्थव्यवस्था में कीमतों पर दबाव डाला है। टकराव के दौरान रुपये की कीमत में आई भारी गिरावट ने इन दबावों को और बढा दिया। हालांकि, विदेशी मुद्रा बाजार में आरबीआई के दखल से इस गिरावट को कुछ हद तक संभालने में मदद मिली।

परिवहन की श्रेणी पर और बारीकी से विचार करने की जरूरत है। जून में परिवहन संबंधी मुद्रा स्फीति मई के १.७५ फीसदी से बढक़र ४.३१ फीसदी हो गई, जोकि दोगुने से भी ज्यादा है। वहीं, ङ्गसामानों के लिए परिवहन सेवाङ्ग वाला उप-समूह ७.६३ फीसदी से बढक़र ७.७० फीसदी के ऊंचे स्तर पर बना रहा। एक और अहम दबाव वाला क्षेत्र रेस्तरां और होटल रहे हैं। भले ही सरकार ने इस महीने की शुरुआत में कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में थोडी कमी का एलान किया, लेकिन मई और जून में हुई भारी बढोतरी की भरपाई के लिए यह नाकाफी रही। उस दौरान दिल्ली में १९.२ किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत बढक़र लगभग २,९३० रुपये हो गई थी, जिसके बाद इसमें मामूली कमी आई। पूरी प्रणाली पर इसका असर खाने-पीने की चीजों की कीमतों में भी साफ दिख रहा है, क्योंकि उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (सीएफपीआई) मई के ४.७८ फीसदी से बढक़र ५.३२ फीसदी हो गया है।

विषाक्त ओटीटी का वैचारिक उद्योग: भारत और हिंदू समाज के विरुद्ध चल रहा सांस्कृतिक युद्ध

- कैलाश चन्द्र

भारत में मनोरंजन के नाम पर ओटीटी मंचों पर जो सामग्री परोसी जा रही है, उसे केवल 'रचनात्मक स्वतंत्रता' का परिणाम कहकर अनदेखा नहीं किया जा सकता। यह अब केवल वेब-श्रृंखलाओं, फिल्मों या नई पीढी की पसंद का विषय नहीं रह गया है। अनेक मामलों में यह एक व्यापक सांस्कृतिक और वैचारिक प्रवृत्ति का हिस्सा दिखाई देता है, जिसके माध्यम से भारतीय समाज, उसकी परंपराओं, परिवार संस्था और विशेष रूप से हिंदू सांस्कृतिक प्रतीकों को एक निश्चित दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया जा रहा है।
ओटीटी की दुनिया में हिंसा, अश्लीलता, गाली-गलौज, अपराध और सामाजिक विघटन को केवल दिखाया ही नहीं जाता, बल्कि कई बार उन्हें सामान्य और स्वीकार्य जीवन-शैली के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यह तर्क दिया जाता है कि समाज में जो कुछ मौजूद है, वही दिखाया जा रहा है। किंतु प्रश्न यह है कि क्या समाज केवल अपराध, भ्रष्टाचार और विकृत संबंधों से ही बना है? क्या भारतीय जीवन में त्याग, करुणा, आस्था, परिवार, सामाजिक सहयोग, मातृत्व, शौर्य और सांस्कृतिक चेतना जैसी सकारात्मक शक्तियाँ नहीं हैं?
समस्या तब उत्पन्न होती है जब किसी समाज के हजारों रंगों में से बार-बार केवल उसका सबसे अंधकारमय और विकृत पक्ष ही चुना जाए। यह यथार्थ का संतुलित चित्रण नहीं, बल्कि चयनित यथार्थ की प्रस्तुति बन जाता है। अनेक लोकप्रिय श्रृंखलाओं और फिल्मों में भारतीय समाज, विशेषकर ग्रामीण और पारंपरिक समाज को इस प्रकार दिखाया जाता है मानो वहाँ केवल जातीय घृणा, अपराध, पाखंड और दमन ही मौजूद हो।इस प्रवृत्ति का सबसे चिंताजनक पक्ष यह है कि हिंदू समाज को अक्सर स्थायी दोषी या खलनायक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। जाति, पितृसत्ता, धार्मिक पाखंड, सामाजिक हिंसा अथवा नैतिक विघटन जैसे विषयों में नकारात्मक पात्रों का संबंध प्रायः पारंपरिक या धार्मिक पृष्ठभूमि से जोडा जाता है। इससे धीरे-धीरे दर्शकों के मन में यह धारणा बन सकती है कि भारतीय परंपरा स्वयं समस्याओं की जड.है।

यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि समाज की बुराइयों को दिखाना गलत नहीं है। कला और साहित्य का दायित्व ही है कि वे समाज की कमजोरियों पर प्रकाश डालें। किंतु यदि हर कथा का निष्कर्ष यही हो कि धर्म, परिवार, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत मूलतः दमनकारी हैं, तो यह आलोचना से आगे बढक़र सभ्यतागत अभियोग का रूप ले लेता है। आत्मालोचना किसी भी समाज के विकास के लिए आवश्यक है, लेकिन आत्मालोचना और आत्मद्वेष में स्पष्ट अंतर होता है।पिछले कुछ वर्षों में जब धार्मिक प्रतीकों और आस्थाओं पर सीधे प्रहार करने वाली सामग्री का विरोध हुआ, तब अभिव्यक्ति की शैली में परिवर्तन दिखाई दिया। अब प्रत्यक्ष आक्रमण कम और अप्रत्यक्ष सांस्कृतिक विघटन अधिक दिखाई देता है। परिवार को विषैला, विवाह को बंधन, पुरुषत्व को हिंसक, परंपरा को पिछडा और धार्मिकता को पाखंड के रूप में प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति बढी है। इसके विपरीत सामाजिक अराजकता, नैतिक सीमाओं के विघटन और व्यक्तिगत स्वच्छंदता को आधुनिकता और स्वतंत्रता का पर्याय बताया जाता है।यह समझना आवश्यक है कि सभ्यताओं को केवल युद्धक्षेत्र में नहीं हराया जाता। कई बार उन्हें उनकी अपनी नई पीढी की चेतना में कमजोर कर दिया जाता है। यदि युवाओं को बार-बार यह बताया जाए कि उनकी संस्कृति पिछडी हुई है, उनका इतिहास शर्म का विषय है और उनके सामाजिक मूल्य दमनकारी हैं, तो धीरे-धीरे उनका सांस्कृतिक आत्मविश्वास कमजोर होने लगता है। यही कारण है कि मनोरंजन को केवल मनोरंजन मान लेना पर्याप्त नहीं है; वह समाज की सामूहिक चेतना को भी प्रभावित करता है।ओटीटी मंचों की पहुँच और प्रभाव को देखते हुए यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। पहले मनोरंजन मुख्यतः सिनेमाघरों तक सीमित था, लेकिन अब मोबाइल, टेलीविजन, टैबलेट और लैपटॉप के माध्यम से यह सीधे घरों और व्यक्तिगत जीवन में प्रवेश कर चुका है। बच्चे, किशोर और युवा बडी मात्रा में ऐसी सामग्री देख रहे हैं, जो उनके दृष्टिकोण, व्यवहार और सामाजिक मान्यताओं को प्रभावित कर सकती है। एल्गोरिदम आधारित सुझाव प्रणाली इस प्रभाव को और गहरा करती है, क्योंकि दर्शक जो देखता है, उसे उसी प्रकार की और सामग्री दिखाई जाती है।ओटीटी उद्योग प्रायः 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' का तर्क देकर आलोचनाओं को खारिज कर देता है। निस्संदेह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण मूल्य है, लेकिन स्वतंत्रता के साथ उत्तरदायित्व भी जुडा होता है। यदि कोई मंच करोडों लोगों तक पहुँच रखता है और उनकी मानसिकता, सामाजिक दृष्टिकोण तथा सांस्कृतिक धारणाओं को प्रभावित करता है, तो उससे किसी प्रकार की नैतिक जवाबदेही की अपेक्षा करना अनुचित नहीं है।
समाधान कठोर नियंत्रण या सेंसरशिप में नहीं है। समाधान संतुलन में है। सामग्री का स्पष्ट आयु-वर्गीकरण, प्रभावी शिकायत-निवारण व्यवस्था, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और विविध दृष्टिकोणों को स्थान देना आवश्यक है। यदि अधिकांश लोकप्रिय कथाओं में भारतीय समाज और हिंदू सांस्कृतिक प्रतीकों को एक ही प्रकार के साँचे में प्रस्तुत किया जा रहा है, तो इस प्रवृत्ति पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए।भारतीय समाज के लिए सबसे महत्वपूर्ण कार्य केवल विरोध करना नहीं, बल्कि सृजन करना है। यदि एक पक्ष लगातार कथाएँ रच रहा है और दूसरा केवल शिकायत कर रहा है, तो अंततः प्रभाव उसी का होगा जो कथा का निर्माण कर रहा है। इसलिए आवश्यकता है कि भारतीय सभ्यता, लोक-संस्कृति, परिवार, आस्था, नारी-शक्ति, सामाजिक जटिलताओं और ऐतिहासिक अनुभवों पर आधारित उच्च-गुणवत्ता की सामग्री तैयार की जाए। ऐसी सामग्री उपदेशात्मक नहीं, बल्कि कलात्मक, आधुनिक और प्रभावशाली होनी चाहिए।इसके साथ ही मीडिया-साक्षरता को भी बढाना होगा, ताकि दर्शक यह समझ सकें कि किसी कथा में क्या दिखाया जा रहा है और क्या जानबूझकर छोडा जा रहा है। प्रस्तुतीकरण, प्रतीकवाद और वैचारिक पूर्वाग्रहों की पहचान करने की क्षमता समाज को अधिक सजग बनाती है।आज सबसे बडा प्रश्न यह है कि क्या भारत अपनी कहानी स्वयं कहेगा या उसकी कथा दूसरे लिखेंगे? क्या परंपरा, धर्म, परिवार और सांस्कृतिक विरासत को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति ही आधुनिकता का नया मानदंड बन जाएगी? यदि ऐसा होता है तो यह केवल मनोरंजन का विषय नहीं रहेगा, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास और सभ्यतागत निरंतरता का प्रश्न बन जाएगा, इसलिए समय की माँग स्पष्ट है, सजग दर्शक, उत्तरदायी मंच, वैकल्पिक सृजन और सांस्कृतिक आत्मविश्वास। मनोरंजन के क्षेत्र में चल रहा यह संघर्ष केवल पर्दे पर दिखाई देने वाले दृश्यों का नहीं, बल्कि समाज की स्मृति, पहचान और भविष्य की दिशा का संघर्ष भी है।
(लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ स्तम्भकार हैं)

कहीं आप पति की अपेक्षाओं की उपेक्षा तो नहीं कर रहीं

सोनी मल्होत्रा

सफल और सुखी दांपत्य जीवन की सबसे बडी शर्त होती है कि पति और पत्नी दोनों एक दूसरे की अपेक्षाओं को पूर्ण करें। सुखी दांपत्य जीवन प्यार और संवेदनाओं पर आधारित होता है। एक सफल जीवन साथी वही है जो अपने जीवन साथी की भावनाओं को सम्मान दे, उसका ख्याल रखे, उसके प्रति उदासीनता न बरते और अपने प्यार से उसके जीवन में खुशियां ही खुशियां भर दे ।आज व्यक्ति की दिनचर्या इतनी व्यस्त हो गई है कि वह इन सब का महत्त्व ही भूल गया है। पति-पत्नी के बीच में प्रायः संवादशून्यता की स्थिति देखने को मिलती है और दोनों के बीच की दूरी बढती जाती है। विवाह के प्रारंभिक दिनों में जो खुशी, उल्लास पति-पत्नी दोनों में होता है, वह विवाह के कुछ महीनों बाद कम होने लगता है और धीरे-धीरे वह खुशी उदासीनता में परिवर्तित होने लगती है। विवाह के दो-तीन वर्ष बाद तो उनकी जिंदगी में घर के काम, ऑफिस

जाना, बच्चों की जिम्मेदारियां मात्रा रह जाती हैं और वे गृहस्थ जीवन जी नहीं रहे होते बल्कि ढो रहे होते हैं। वैसे तो पति-पत्नी दोनों गृहस्थी के दो पहिए हैं पर नारी गृहस्थी की रीढ. है और अपने गृहस्थ जीवन में इस नीरसता को आने से बचा सकती है अगर वह पति की अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर उनको पूरा करने की कोशिश करें।
घर की जिम्मेदारियों को निभाना तो पत्नी का कर्तव्य है पर इनसे घिर कर पति को नजरअंदाज न करें। कई बार देखने को मिलता है कि पत्नी बच्चे में इतनी व्यस्त हो जाती है कि पति की जरूरतों के प्रति लापरवाह हो जाती है, इसलिए पत्नी को चाहिए कि वह पति की जरूरतों को ध्यान में रखे ताकि पति उपेक्षित महसूस न करें।पति के ऑफिस से लौटते ही बच्चे की शिकायत या सास की शिकायतों का पिटारा खोल कर न बैठ जाएं। शाम को थका हारा लौटा पति आप पर झुंझला जाएगा कि अभी मैं लौटा हूं और तुम्हारा रोना-धोना शुरू हो गया।ऑफिस से आए पति का स्वागत हंसते मुस्कुराते करें। आपका हंसता मुस्कुराता चेहरा उनकी थकावट दूर कर देगा।पति से उनके दिन भर के अनुभवों को बांटें। इससे पति को आपके रूप में अच्छा दोस्त नजर आएगा जो जिंदगी के हर क्षेत्र में उसके साथ है।कभी-कभी रात को डिनर लेने बाहर जाएं। इससे आप दोनों को कुछ समय घर गृहस्थी के झंझटों से दूर शांति से काटने को समय मिलेगा।
अपने सौंदर्य के प्रति लापरवाही न बरतें। अच्छे कपडे.पहनें और हल्का मेकअप करके रहें ताकि आपके पति का आकर्षण आपमें बना रहे। घर पर रहने का अर्थ यह नहीं कि आप सही ढंग से तैयार भी न रहें।
सेक्स वैवाहिक रिश्ते की अनिवार्य आवश्यकता है। जब भी इस रिश्ते में नीरसता आती है, उसका प्रभाव आपके वैवाहिक संबंधों पर भी पडता है, इसलिए इस ओर उदासीनता न बरतें।
घर गृहस्थी को संभालने में आप इतनी व्यस्त न हो जायें कि पति को अपने मन की बात करने और अपनी समस्याओं को सुलझाने के लिए कोई और विकल्प ढूंढना पडे।
यदि पति को ऑफिस से आने में देर हो जाए तो उनसे लडऩे न बैठ जाएं। कुछ देर उन्हें आराम करने देने के पश्चात शांति से उनके देर से आने का कारण पूछें।अगर घर के किसी सदस्य की बात से आप को तकलीक पहुंची है तो शांति से पति से इस विषय पर बातचीत करें। झगडा किसी परेशानी का हल नहीं होता, इसलिए इससे बचे रहने का प्रयास करें।
हर समय अपने मायके की बढाई न करें और ससुराल की निंदा न करें। ऐसे ताने न दें जिससे पति का आत्म सम्मान प्रभावित हो।जैसे सरप्राइज की इच्छा आप अपने पति से रखती हैं वैसे सरप्राइज की इच्छा वह भी आपसे रखते हैं, इसलिए कभी उनके जन्मदिन पर उपहार देकर, कभी उनके मनपसंद व्यंजन बना कर उन्हें सरप्राइज देती रहें। पति के लाए उपहारों की कद्र करें बेशक वह आपकी पसंद का न भी हो। अगर आप उनकी कद्र नहीं करेंगी तो उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचेगी और आप पति के इन प्यार भरे उपहारों से वंचित भी रह जाएंगी। समय-समय पर उन्हें अपनी पसंद व नापसंद से अवगत करवाती रहें ताकि अगली बार आप अपना मनपसंद उपहार पा सकें।अगर आप नौकरीपेशा हैं और अपने पति से अधिक कमाती हैं तो उन पर इस बात का रोब न झाडें। इससे उनमें हीन भावना पनप सकती है जो आपके मजबूत रिश्ते को कमजोर बना सकती है।महीने में एक-दो बार बिना घर में किसी को बताए पति के साथ पिक्चर या बाहर घूमने का प्रोग्राम बनाएं। इससे आप दोनों के बीच रोमांस बना रहेगा और आप कुछ क्षण एक दूसरे के साथ बिता सकेंगे। (उर्वशी)

४१वीं साकेतवास पुण्यतिथि पर विशेष *सद्गृहस्थ-सन्त परम्परा के अमर आलोकस्तम्भ : श्री श्री १००८ साकेतवासी श्री मौनी जी महाराज*

*नाम-साधना, लोकमंगल और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के अप्रतिम प्रणेता थे श्रीमौनी जी महाराज

डॉ. अभिषेक कुमार उपाध्याय*

जम्मू/कठुआ - परम श्रद्धेय प्रातः रमणीय श्री श्री १००८ साकेतवासी श्री मौनी जी महाराज के जीवन लीला के विषय में संक्षिप्त में चर्चा करते हुए जम्मू कश्मीर प्रान्त के मन्दिर एवं गुरुकुल सेवा योजना प्रमुख व श्री श्री १००८ श्री मौनी बाबा चैरिटेबल ट्रस्ट न्यास के मुख्य न्यासी पं डॉ. अभिषेक कुमार उपाध्याय ने महाराज श्री के विषय में सनातन धर्म संस्कृति एवं परम्परा में सन्तों का अवतरण ईश्वर की अहैतुकी कृपा के बिना। सम्भव नहीं है। ऐसे ही दिव्य अवतार थे श्रीमौनी जी महाराज।भारतीय सनातन परम्परा में संत केवल किसी आश्रम अथवा मठ की सीमा तक सीमित व्यक्तित्व नहीं रहे हैं, अपितु वे युगधर्म के संवाहक, लोकमंगल के अधिष्ठाता तथा समाज की आध्यात्मिक चेतना के जागरण-पुरुष रहे हैं। जब-जब समाज दिशाहीनता, सांस्कृतिक विस्मृति अथवा आध्यात्मिक शैथिल्य की ओर अग्रसर हुआ है, तब-तब किसी न किसी संत-महापुरुष ने अपने तप, त्याग, आचरण एवं भगवन्नाम की महिमा से जनमानस को पुनः धर्ममार्ग पर प्रतिष्ठित किया है। ऐसे ही विलक्षण संतों की गौरवशाली परम्परा में *श्री श्री १००८ साकेतवासी श्री मौनी जी महाराज* का नाम अत्यन्त श्रद्धा, आदर एवं गौरव के साथ स्मरण किया जाता है।
महर्षि भृगु की तपोभूमि, उत्तर प्रदेश के बागी (बलिया) में अवतीर्ण पूज्य महाराज श्री ने यह सिद्ध कर दिया कि परमात्मप्राप्ति केवल संन्यासाश्रम का विशेषाधिकार नहीं, अपितु सद्गृहस्थ जीवन भी यदि *धर्म, तप, संयम एवं अखण्ड भगवन्नाम-स्मरण से आलोकित हो जाए, तो वही जीवन सिद्धत्व* का पथ बन जाता है। वे उन विरल महापुरुषों में थे जिन्होंने गृहस्थ रहते हुए भी वैराग्य, तपस्या और ईश्वरनिष्ठा का ऐसा अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया, जो आधुनिक समाज के लिए अनुकरणीय आदर्श है।
पूज्य महाराज श्री, श्री अयोध्या धाम स्थित तपस्वी छावनी, श्रीरामघाट के परमश्रद्धेय सिद्ध संत श्री श्री १००८ श्री रामगुलाम दास जी महाराज (बलुईया बाबा) के दीक्षित शिष्य थे। गुरु-कृपा एवं अखण्ड साधना के प्रभाव से उन्होंने आत्मानुभूति की उन ऊँचाइयों को प्राप्त किया, जिनका आधार केवल शास्त्रज्ञान नहीं, अपितु तपःपूत जीवन और भगवन्नाम के प्रति अनन्य समर्पण था।महाराज श्री के जीवन का सर्वाधिक प्रेरणास्पद पक्ष उनकी *बारह वर्षों की हिमालय स्थित मौन एवं गुप्त साधना है*। लोकप्रशंसा से सर्वथा विरक्त रहकर उन्होंने आत्मशोधन, ईश्वरचिन्तन और अखण्ड नामजप को ही साधना का केन्द्र बनाया। हिमालय की दिव्य कन्दराओं में सम्पन्न यह तप केवल व्यक्तिगत सिद्धि का माध्यम नहीं था; वह भावी समाज के आध्यात्मिक पुनरुत्थान की मौन तैयारी थी। साधना-समापन के उपरान्त जब वे पुनः लोककल्याण के लिए समाज में अवतीर्ण हुए, तब उनका सम्पूर्ण जीवन *श्री सीताराम* नाम के अखण्ड संकीर्तन का पर्याय बन गया।
पूज्य महाराज श्री का सम्पूर्ण संदेश अत्यन्त सरल किन्तु गूढ.था *कलियुग में भगवन्नाम ही सर्वश्रेष्ठ आश्रय है*। उन्होंने न किसी जटिल साधना-पद्धति का आग्रह किया और न ही दुरूह दार्शनिक विमर्शों का; उन्होंने सामान्य जन को केवल श्रीसीताराम नाम का अवलम्बन प्रदान किया। उनके द्वारा संचालित अखण्ड *श्री सीताराम, श्री सीताराम, श्री सीताराम* नामसंकीर्तन ने असंख्य परिवारों को आध्यात्मिक आधार प्रदान किया तथा समाज को भक्ति, शान्ति और सदाचार के सूत्र में पिरोया।
महाराज श्री केवल एक आध्यात्मिक पुरुष ही नहीं, अपितु भारतीय सांस्कृतिक चेतना के सशक्त संवाहक भी थे। उन्होंने देश के विविध तीर्थक्षेत्रों एवं ग्रामों में *श्री सीताराम नामसंकीर्तन, श्री सियाराम विवाहोत्सव तथा श्रीराम कलेवा* जैसे कार्यक्रमों का सूत्रपात कर लोकजीवन को पुनः राममय बनाने का महान अभियान चलाया। इन आयोजनों ने केवल धार्मिक अनुष्ठान का स्वरूप ही नहीं ग्रहण किया, बल्कि *भारतीय परिवार व्यवस्था, सामाजिक समरसता, लोकपरम्परा और सांस्कृतिक निरन्तरता* को भी नवीन ऊर्जा प्रदान की।विशेषतः उनकी जन्मभूमि बलिया में विगत लगभग *छिहत्तर वर्षों से पौष मास के प्रथम शनिवार* से प्रारम्भ होकर सम्पन्न होने वाला *श्रीसीताराम नामसंकीर्तन एवं श्री दुल्हा सरकार की भव्य बारात, संत-समाज के सान्निध्य में सम्पन्न श्री सियाराम विवाहोत्सव* तथा उससे सम्बद्ध समस्त आयोजन आज भी उनकी दिव्य प्रेरणा के सजीव प्रतीक हैं। यह केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, अपितु लोकसंस्कृति, सामाजिक सहभागिता और सनातन जीवनमूल्यों का अनुपम महोत्सव है, जो पीढी-दर-पीढी भारतीय सांस्कृतिक अस्मिता का संरक्षण कर रहा है।बिहार सहित देश के अनेक क्षेत्रों में आज भी महाराज श्री की प्रेरणा से प्रारम्भ हुए नामसंकीर्तन, मानसपाठ एवं विवाहोत्सव के आयोजन निरन्तर चल रहे हैं। यह किसी संत के प्रभाव की सामान्य परिणति नहीं, बल्कि उनके द्वारा स्थापित आध्यात्मिक परम्परा की जीवन्तता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। कोई भी महापुरुष तभी युगपुरुष कहलाता है, जब उसके विगत हो जाने के उपरान्त भी उसके संस्कार समाज में सतत प्रवाहित होते रहें। इस दृष्टि से पूज्य मौनी जी महाराज का जीवन भारतीय संतपरम्परा की अक्षुण्ण धरोहर है।
आषाढ.शुक्ल अष्टमी, गुप्त नवरात्र के पावन अवसर पर वर्ष १९८६ में पूज्य महाराज श्री ने देहावसान नहीं, अपितु साकेतगमन किया। किंतु संतों का प्रस्थान केवल शरीर का होता है; उनके विचार, उनके संस्कार और उनका आध्यात्मिक प्रभाव कालातीत हो जाता है। आज भी उनके उपदेश समाज को दिग्भ्रमित होने से बचाते हैं और भगवन्नाम की ओर उन्मुख करते हैं। उनके लाखों श्रद्धालु एवं अनुयायी आज भी श्रीसीताराम नामजप को जीवन का आधार बनाकर आत्मिक शान्ति, नैतिक दृढता और आध्यात्मिक उन्नति का अनुभव कर रहे हैं। वर्तमान समय भौतिक उन्नति के साथ-साथ मानसिक अशान्ति, पारिवारिक विघटन, सांस्कृतिक विस्मरण और नैतिक अवमूल्यन की चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे संक्रमणकाल में पूज्य मौनी जी महाराज का जीवन और संदेश पूर्वापेक्षा अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। उन्होंने सिद्ध किया कि समाज का वास्तविक पुनर्निर्माण किसी बाह्य क्रान्ति से नहीं, अपितु चरित्र, संस्कार और भगवन्नाम के जागरण से होता है। उनका सम्पूर्ण जीवन इस सनातन सत्य का मूर्त उदाहरण है कि जब व्यक्ति अपने अंतःकरण को नामस्मरण से पवित्र करता है, तभी परिवार, समाज और राष्ट्र भी स्वतः सुदृढ.होते हैं।
इसी पुण्य परम्परा के निर्वाहार्थ पूज्य महाराज श्री की ४१वीं साकेतवास पुण्यतिथि के पावन अवसर पर *२०-२१ जुलाई २०२६ को बिहार प्रदेश के श्रीनगर, पिहुली मंदिर (जनपद सिवान) स्थित श्री रामजानकी मन्दिर* में *श्रीसीताराम नामसंकीर्तन, अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ, सुन्दरकाण्ड पाठ, सामूहिक श्रीहनुमान चालीसा, संत-प्रवचन, भजन-संध्या तथा महाप्रसाद-भण्डारे* का भव्य आयोजन सम्पन्न होगा। यह आयोजन *श्री रामजानकी मन्दिर के महन्त श्री श्री १०८ श्री राघव दास जी महाराज* एवं *श्री श्री १००८ श्री मौनी बाबा चैरिटेबल ट्रस्ट न्यास* तथा बिहार प्रदेश के समस्त श्रद्धालु शिष्यों एवं भक्तों के समर्पित सहयोग से सम्पन्न हो रहा है। यह केवल एक पुण्यतिथि समारोह नहीं, बल्कि महाराज श्री द्वारा स्थापित नाम-साधना एवं लोकमंगल की परम्परा का पुनर्स्मरण और उसके प्रति सामूहिक संकल्प का महोत्सव है।पूज्य श्री मौनी जी महाराज का जीवन हमें यह संदेश देता है कि संतत्व का वास्तविक स्वरूप वेशभूषा में नहीं, अपितु आचरण में निहित होता है; समाज का कल्याण उपदेशों से अधिक उदाहरणों से होता है; और युगों तक जीवित वही रहते हैं, जो अपने जीवन को स्वयं के लिए नहीं, बल्कि लोकमंगल, धर्मसंरक्षण और

भगवन्नाम के प्रसार के लिए समर्पित कर देते हैं।
उनकी ४१वीं साकेतवास पुण्यतिथि पर यही हमारी श्रद्धांजलि होगी कि हम उनके द्वारा प्रदर्शित नाम-स्मरण, सदाचार, सांस्कृतिक संरक्षण, सामाजिक समरसता तथा लोककल्याण के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें। यही उनके तप, त्याग और दिव्य जीवन के प्रति सच्ची कृतज्ञता होगी और यही भारतीय संतपरम्परा के प्रति हमारी विनम्र श्रद्धांजलि भी।

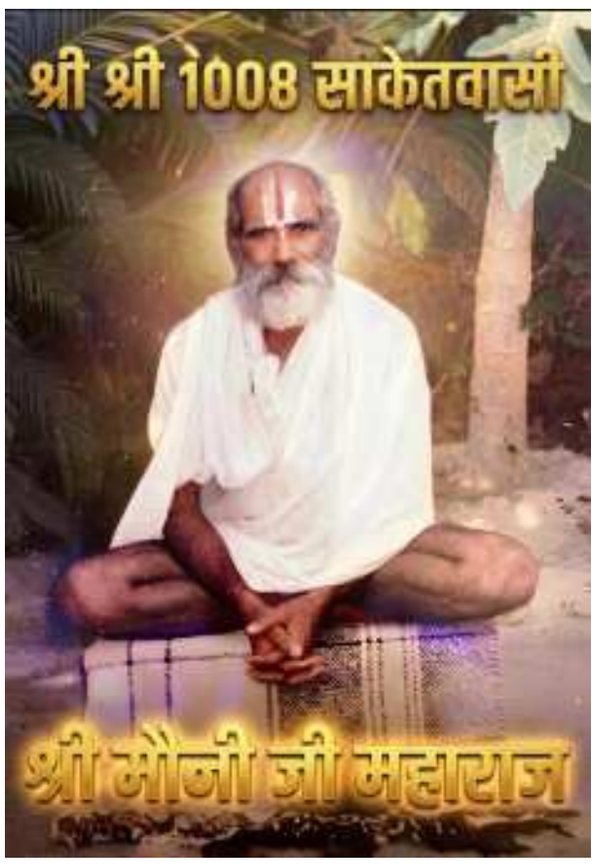

प्रथम पृष्ठ का शेषांश.....

शिक्षा निःशुल्क होनी चाहिए, प्रतिभाशाली निर्धन....

विद्यार्थियों को दी जा रही सहायता की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यहाँ के विद्यार्थी ज्ञान, संस्कार और चरित्र के बल पर समाज को भोगवाद, नशाखोरी और नैतिक पतन जैसी चुनौतियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने समाज से अपील की कि प्रत्येक सक्षम व्यक्ति किसी न किसी प्रतिभाशाली निर्धन विद्यार्थी की शिक्षा का दायित्व उठाए।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत से हुआ। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षाविद् डॉ. दुर्ग सिंह चौहान ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारत का भविष्य केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि संस्कारवान नागरिकों के निर्माण से सुरक्षित होगा। इसके लिए महामना शिक्षण संस्थान जैसे सेवा एवं शिक्षा आधारित प्रकल्पों का विस्तार समय की आवश्यकता है।भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) लखनऊ के निदेशक प्रो. अरुण मोहन शैरी ने कहा कि देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन आर्थिक अभाव के कारण अनेक मेधावी विद्यार्थी प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेने से वंचित रह जाते हैं। ऐसे विद्यार्थियों को अवसर उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी ने विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि यदि जीवन में बड़ा लक्ष्य प्राप्त करना है तो मोबाइल और सोशल मीडिया पर अनावश्यक समय व्यतीत करने की आदत छोड़नी होगी। सफलता अनुशासन, परिश्रम और सतत अध्ययन से ही प्राप्त होती है।संस्थान की कार्यप्रणाली और उपलब्धियों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों के मार्गदर्शक आदित्य सर ने कहा कि महामना शिक्षण संस्थान केवल एक शिक्षण संस्था नहीं, बल्कि प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करने वाला राष्ट्रनिर्माण का अभियान है। वर्ष २०१९ में भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रारंभ किए गए इस प्रकल्प का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर किंतु प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित आवास, अनुशासित वातावरण, अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन, व्यक्तित्व विकास, नैतिक शिक्षा, योग, संस्कार तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की समुचित तैयारी उपलब्ध कराना है।उन्होंने बताया कि स्थापना के बाद से छह शैक्षणिक सत्रों में अध्ययनरत ८५ विद्यार्थियों में से ७३ विद्यार्थियों ने प्रथम प्रयास में सफलता प्राप्त कर देश के विभिन्न प्रतिष्ठित तकनीकी एवं व्यावसायिक संस्थानों में प्रवेश हासिल किया है। वर्तमान में २० विद्यार्थी कक्षा १२ में अध्ययनरत हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। संस्थान के विद्यार्थियों ने आईआईटी पटना, एनआईटी, एचबीटीयू कानपुर, एमएमएमयूटी गोरखपुर, आईईटी लखनऊ, आईईआरटी प्रयागराज, एकेटीयू से संबद्ध संस्थानों तथा एमबीबीएस जैसे प्रतिष्ठित पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया है। एक विद्यार्थी ने नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर अयोध्या मेडिकल कॉलेज में प्रवेश प्राप्त किया, जबकि संस्थान के अनेक पूर्व विद्यार्थी देश की प्रतिष्ठित कंपनियों और संस्थानों में सेवाएँ दे रहे हैं।उन्होंने कहा कि महामना शिक्षण संस्थान का बालक एवं बालिका प्रकल्प समान अवसर, समान सम्मान और समान विकास की भावना पर आधारित है। संस्थान का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को परीक्षा में सफल बनाना नहीं, बल्कि उन्हें आत्मविश्वासी, संवेदनशील, संस्कारवान और राष्ट्रभक्त नागरिक के रूप में तैयार करना है।संस्थान के अध्यक्ष एवं पूर्व सूचना आयुक्त प्रमोद कुमार तिवारी ने संस्थान से शिक्षा पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया तथा उन्हें समाज सेवा और राष्ट्रहित के लिए समर्पित रहने की प्रतिज्ञा दिलाई।श्रीमती अणीमा जामवाल ने बालिका प्रकल्प की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्थान में अध्ययनरत बालिकाओं की निरंतर प्रगति इस परियोजना की सफलता का प्रमाण है। वहीं डॉ. विनय गुप्ता ने संस्थान के दानदाताओं एवं सहयोगियों के योगदान की जानकारी दी और उनके प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने स्वर-मंत्र पाठ प्रस्तुत किया। डॉ. शीला मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा कार्यक्रम का संचालन अनघ जी ने किया।समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन जी, पूर्व क्षेत्र प्रचारक शिवनारायण जी, प्रांत प्रचारक कौशल जी, संस्थान के प्रमुख कार्यकर्ता अवनींद्र जी, रामशरण वर्मा, सुभाष शर्मा, अनिल मिश्रा, बलराम जी, सतीश जी, अनिल जी, विनय प्रकाश जी, नरेंद्र मिश्रा जी, वेंकटेश जी सहित बडी संख्या में शिक्षाविद्, समाजसेवी, अभिभावक, पूर्व विद्यार्थी और छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

१८५७ की क्रांति की पहली चिंगारी अमर ....

शहीद मंगल पांडेय का नाम भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उन्होंने कहा कि १८५७ के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के नायक मंगल पांडेय ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध जिस साहस के साथ आवाज उठाई, उसी से स्वतंत्रता आंदोलन की नींव मजबूत हुई और अंततः देश को १९४७ में आजादी मिली। उन्होंने कहा कि आज का दिन केवल श्रद्धांजलि देने का नहीं, बल्कि देशभक्ति, साहस और राष्ट्रसेवा की भावना को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का है।उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष घुंघुर में मंगल पांडेय की प्रतिमा स्थापित होने के बाद यह स्थान राष्ट्रभक्ति का प्रतीक बन गया है। आज बड़ी संख्या में समिति के सदस्य, स्थानीय नागरिक और विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोग यहां एकत्र होकर अमर शहीद को श्रद्धापूर्वक नमन कर रहे हैं।गौरतलब है कि मंगल पांडेय का जन्म १९ जुलाई १८२७ को हुआ था। उन्होंने २९ मार्च १८५७ को बैरकपुर छावनी में अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी की दमनकारी नीतियों के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंका था। उनके साहसिक कदम ने पूरे देश में स्वतंत्रता की अलख जगाई और यही आंदोलन आगे चलकर १८५७ के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के रूप में इतिहास में दर्ज हुआ। इसी कारण उन्हें भारत के स्वतंत्रता संग्राम का प्रथम क्रांतिकारी और प्रेरणास्रोत माना जाता है।कार्यक्रम में समाजसेवी बाबुल नारायण कानू, सुभाष चौहान, भाजपा कछाड़ जिला सचिव अमिताभ राय, चातला मंडल अध्यक्ष मानव सिंह, कंचन नुनिया, साधु ग्वाला, जिला परिषद सदस्या श्रीमती सरस्वती रविदास, सुवचन ग्वाला, प्रभुनाथ सोनार, रामनारायण नुनिया, बैकुंठ ग्वाला सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने अमर शहीद मंगल पांडेय की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया।

सोमवार से शुरू होगा जनगणना २०२७ हेतु ....

पूर्णता और एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए मैदानी कर्मचारियों का सावधानीपूर्वक प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। कक्षागत प्रशिक्षण के साथ-साथ प्रतिभागियों को मैदानी कार्य के व्यावहारिक पहलुओं की भी जानकारी दी जाएगी, ताकि वे जमीनी स्तर पर अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें।उल्लेखनीय है कि जनगणना देश का सबसे व्यापक सांख्यिकीय अभियान है, जिसके माध्यम से प्राप्त जनसांख्यिकीय एवं सामाजिक-आर्थिक आंकड़े विकास योजनाओं के निर्माण, संसाधनों के आवंटन तथा जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के निर्धारण का आधार बनते हैं। तैयारियां शुरू होने के साथ ही जिला प्रशासन ने ऐसे प्रशिक्षित मानवबल के निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है, जो देशव्यापी जनगणना अभियान के दौरान इस कार्य को दक्षतापूर्वक संपन्न कर सके।यह जानकारी सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बराक घाटी क्षेत्रीय कार्यालय, सिलचर (असम) द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

समानांतर फसलों की खेती से किसानों की आय बढ़ेगी ...

फसलों की खेती तथा खीरा और लौकी जैसी बागवानी फसलों से उन्हें बेहतर लाभ मिल रहा है।

पीयूष हजारिका ने किसानों से सुपारी और काली मिर्च जैसी समानांतर फसलों की खेती अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे किसानों की आय में कई गुना वृद्धि हो सकती है।किसानों ने सिंचाई, कृषि उपज के विपणन, कोल्ड स्टोरेज और अन्य आवश्यक सुविधाओं से जुडी समस्याएं मंत्री के समक्ष रखीं। मंत्री ने इन समस्याओं के समाधान के लिए सरकार की ओर से आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।दौरे के दौरान मंत्री ने फलांगनी स्थित लिफ्ट सिंचाई परियोजना का भी निरीक्षण किया और विभागीय अधिकारियों के साथ जिले में चल रही सिंचाई योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अभियंताओं को निर्देश दिया कि परियोजना की कार्यक्षमता बढ़ाकर अधिक से अधिक कृषि भूमि तक सिंचाई सुविधा सुनिश्चित की जाए।इस अवसर पर खुमटाई के विधायक मृणाल सैकिया भी मंत्री के साथ मौजूद रहे।

होली क्रॉस स्कूल ने शिक्षिका पर प्रताड़ना के आरोपों ....

नाथ को जानबूझकर बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। उनका कहना था कि शिक्षिका को खुली धमकियां भी दी गई हैं, जिससे विद्यालय परिवार में चिंता का माहौल है।विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि लगभग छह दशक पुराने इस प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान की साख को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से बच्चों के बीच हुए एक सामान्य विवाद को अनावश्यक रूप से तूल दिया गया और मामला थाने तक पहुंचाया गया। प्रबंधन और शिक्षकों ने पूरे घटनाक्रम पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की तथा लोगों से अपुष्ट और भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करने की अपील की।

कालाइन में पत्थर खदान को लेकर फिर तनाव, ग्रामीणों ने सात डंपर रोके

प्रेरणा ब्यूरो कालाइन, १९ जुलाई। कछार जिले के कालाइन में पत्थर खदान को लेकर एक बार फिर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। लंबे आंदोलन के बाद गत ४ जुलाई से ग्रामीण सड़क पर पत्थर परिवहन बंद था। इसी बीच रविवार को बंद पडे.कालाइन यूनिट-२ पत्थर खदान से पत्थर लाने के लिए सात डंपर ट्रक सड़क पर पहुंचे। पत्थर लेकर लौटते समय ग्रामीणों ने सभी ट्रकों को रोक दिया।आंदोलनकारियों की मांग है कि ग्रामीण सड़क से किसी भी हालत में पत्थर लदे डंपरों का आवागमन नहीं होने दिया जाएगा। उनका कहना है कि लंबे आंदोलन के बाद निर्मित यह सड़क हजारों लोगों के आवागमन का एकमात्र सहारा है। भारी वाहनों की आवाजाही शुरू होने पर सड़क के फिर से क्षतिग्रस्त होने की आशंका है।ट्रकों को रोकने को लेकर उनके साथ आए कालाइन चाय बागान के कुछ युवकों और ग्रामीणों के बीच धक्का-मुक्की तथा तीखी बहस शुरू हो गई। युवकों द्वारा ट्रकों को जबरन ले जाने का प्रयास किए जाने पर गांव की महिलाएं सामने आ गई और ट्रकों का रास्ता रोक दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक से इलाके में तनाव फैल गया।हालांकि, पत्थर व्यवसायी या ठेकेदारों में से कोई भी मौके पर सार्वजनिक रूप से उपस्थित नहीं था। उनके पक्ष में मौजूद कुछ बागान युवकों का दावा था कि लंबे समय से इसी रास्ते से पत्थर का परिवहन होता रहा है और आगे भी इस मार्ग का इस्तेमाल किया जाएगा। वहीं, एक युवक ने आरोप लगाया कि कमलाक्ष्य दे पुरकायस्थ के विधायक बनने के बाद से उन्हें इस रास्ते से पत्थर का कारोबार करने की अनुमति नहीं दी जा रही है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे, लेकिन तत्काल कोई समाधान नहीं निकल सका। काफी देर तक गतिरोध जारी रहने के बाद सर्किल अधिकारी के हस्तक्षेप से आंदोलनकारियों ने अवरोध हटा लिया। सर्किल अधिकारी ने फोन पर आंदोलनकारियों से कहा कि आज पहुंचे ट्रकों को जाने दिया जाए। उन्होंने आश्वासन दिया कि बाद में सभी पक्षों को लेकर बैठक कर मामले पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।इस बीच, पत्थर व्यवसायियों की ओर से भी कहा गया है कि यदि जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से आधिकारिक रूप से प्रतिबंध जारी किया जाता है, तो वे इस मार्ग से पत्थर लदे वाहनों का आवागमन नहीं करेंगे।

भारी बारिश के बाद सोनारी में भारी बनावटी बाढ; लोगों ने खराब ड्रेनेज और शहर में रुकावट को जिम्मेदार ठहराया

सोनारी:(अर्णव शर्मा) १९ जुलाई : असम के चराईदेउ जिले के सोनारी शहर में भारी बारिश की वजह से बडे.पैमाने पर बनावटी बाढ.आ गई, जिससे मुख्य सडकें और रिहायशी इलाके डूब गए और शहर में ड्रेनेज के इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी को लेकर लंबे समय से चली आ रही चिंताएँ सामने आ गई।बारिश के बाद शहर की मुख्य सड़क, धोदर अली, कई अंदरूनी सड़कों के साथ, पानी में डूबी रही, जिससे आम जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हुई। कई घरों में घुटनों तक पानी घुस गया, जिससे घर का सामान खराब हो गया और लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पडा।बार-बार होने वाली इस समस्या पर निराशा जताते हुए, बाढ.से प्रभावित एक स्थानीय महिला ने कहा कि उसने पिछले ३५ सालों में सोनारी में इतनी गंभीर बनावटी बाढ.कभी नहीं देखी, और इस स्थिति को पहले कभी नहीं देखा।लोगों ने आरोप लगाया कि एक प्लान्ड और अच्छे ड्रेनेज नेटवर्क की कमी के कारण बारिश का पानी बहने के बजाय सड़कों पर जमा हो गया है, जिससे एक बार की भारी बारिश के बाद भी बनावटी बाढ.आ गई है। उन्होंने अधिकारियों से ड्रेनेज सिस्टम को बेहतर बनाने और लंबे समय तक बाढ.से बचने के उपाय लागू करने के लिए तुरंत कदम उठाने की अपील की।इस बीच, स्थानीय लोगों ने बिगडती सिविक स्थिति को सोनारी म्युनिसिपल बोर्ड के अंदर चल रहे एडमिनिस्ट्रेटिव रुकावट से भी जोडा है। यह संकट तब शुरू हुआ जब १० वार्ड पार्षदों ने म्युनिसिपल बोर्ड के चेयरमैन तिलक चंद्र नियोग के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन पेश किया। तब से, म्युनिसिपल एरिया में कई सिविक काम कथित तौर पर रुक गए हैं।रुकावट अभी तक हल नहीं हुई है, लोगों का दावा है कि जरूरी म्युनिसिपल सर्विस पर बुरा असर पडा है, जिससे टैक्सपेयर्स को खराब सिविक मैनेजमेंट का खामियाजा भुगतना पड.रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन और राज्य सरकार से म्युनिसिपल संकट को जल्द से जल्द हल करने और यह पक्का करने की अपील की है कि जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर और पब्लिक सर्विस बिना किसी और देरी के बहाल हो जाएं।

गोलाघाट में अनुसूचित जाति के SHGs को PM-AJAY के तहत फाइनेंशियल मदद बांटी गई

गोलाघाट:(अर्णव शर्मा) १९ जुलाई : अनुसूचित जाति (SC) के परिवारों में आर्थिक मजबूती और टिकाऊ आजीविका को बढ़ावा देने की दिशा में एक बडा कदम उठाते हुए, शनिवार को गोलाघाट जिले में प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (झच-अगअध) के तहत लाभार्थियों को औपचारिक रूप से फाइनेंशियल मदद बांटी गई।असम स्टेट रूरल लाइवलीहुड मिशन (ASRLM), गोलाघाट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्र सरकार की फ्लैगशिप योजना के तहत चुने गए लाभार्थियों को फाइनेंशियल मदद के मंजूरी पत्र आधिकारिक तौर पर बांटे गए। असम के पंचायत और ग्रामीण विकास, एक्साइज और दूसरे विभागों के मंत्री, अतुल बोरा ने मुख्य अतिथि के तौर पर वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन किया और लाभार्थियों को फाइनेंशियल मदद के मंजूरी पत्र सौंपे।इस स्कीम के तहत, गोलाघाट जिले से कुल ३३४ अनुसूचित जिले के सेल्फ-हेल्प ग्रुप (SHG) और ४८ अनुसूचित जाति की महिला सदस्यों को फाइनेंशियल मदद पाने के लिए चुना गया है। इसका मकसद इनकम बढाने वाली एक्टिविटीज.को मजबूत करना और आत्मनिर्भरता को बढावा देना है। PM-AJAY स्कीम को असम में सोशल जस्टिस एंड एम्पावरमेंट डिपार्टमेंट के तहत अनुसूचित जाति और पिछडा वर्ग डायरेक्टरेट और असम स्टेट रूरल लाइवलीहुड मिशन (ASRLM) मिलकर लागू कर रहे हैं।इस पहल के तहत, चुने गए सेल्फ-हेल्प ग्रुप की योग्य महिला सदस्य ५०,००० रुपये तक या कुल प्रोजेक्ट कॉस्ट का ५० परसेंट, जो भी कम हो, तक की फाइनेंशियल मदद पाने की हकदार हैं। इस मदद का मकसद एंटरप्रेन्योरशिप को सपोर्ट करना, रोजी-रोटी के मौके बढाना और अनुसूचित जाति के परिवारों की सामाजिक-आर्थिक हालत को बेहतर बनाना है। इस प्रोग्राम में लोकसभा चझ कामाख्या प्रसाद तासा, डेरगांव MLA मृदुल दत्ता, गोलाघाट जिला परिषद की प्रेसिडेंट पूर्णिमा दास, वाइस-प्रेसिडेंट गीतामणि बोरा, गोलाघाट जिला परिषद के चीफ.एग्जीक्यूटिव ऑफसिर, डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कमिश्नर, असिस्टेंट कमिश्नर-कम-सब-डिवीजनल वेलफेयर ऑफसिर, सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स के मेंबर्स और दूसरे बडे.लोग शामिल हुए।यह पहल टारगेटेड फाइनेंशियल सपोर्ट और रोजी-रोटी को बढावा देकर अनुसूचित जाति समुदायों की आर्थिक क्षमता को मजबूत करके समावेशी ग्रामीण विकास के लिए सरकार के लगातार कमिटमेंट को दिखाती है।

बराक का गौरव बनी शाइन एर्जेसी, राज्य स्तर पर लगातार खिताब; अब राष्ट्रीय मंच पर नजर

प्रे.सं.शिलचर, १९ जुलाई : राज्य स्तरीय विभिन्न सौंदर्य प्रतियोगिताओं में शाइन एजेंसी के प्रशिक्षित प्रतिभागियों ने एक के बाद एक प्रतिष्ठित खिताब जीतकर बराक घाटी का नाम रोशन किया है। अब एजेंसी के विजेता प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर की सौंदर्य प्रतियोगिताओं और मॉडलिंग आयोजनों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। प्रख्यात कोरियोग्राफर एवं मॉडल प्रशिक्षक अमरराज आचार्य के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त इन प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन, मेहनत और निरंतर अभ्यास के बल पर यह उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।प्रतियोगिता में एस. वांगाम्बा लुवांग ने 'मिस्टर असम', जबकि परवाज लस्कर ने 'मिस्टर असम ब्रांड एम्बेसडर' का खिताब जीता। वहीं मेघदीप्ता देवनाथ ने 'मिस टीन असम' और संजली सिंह ने 'मिस टीन असम ब्रांड एम्बेसडर' का खिताब अपने नाम किया।पुरुष टीन वर्ग में दिवुकांत राजवंशी ने 'मिस्टर टीन असम' का खिताब जीता, जबकि रेहान बरभुइयां प्रथम रनर-अप रहे। मुन्नी रानी सिन्हा को 'मिसेज असम' चुना गया। इसके अलावा रोहित मजूमदार ने 'असम मिस्टर बराक वैली' तथा 'डेब्यू मॉडल ऑफ द ईयर २०२६' का सम्मान हासिल किया।शाइन एजेंसी के अनुसार, ये सभी विजेता उसके प्रशिक्षित विद्यार्थी हैं। एजेंसी ने कहा कि अमरराज आचार्य के कुशल प्रशिक्षण, अनुशासन, कडी मेहनत और पेशेवर ग्रूमिंग के कारण प्रतिभागियों को यह सफलता मिली है।अमरराज आचार्य ने कहा कि यह उपलब्धि केवल शाइन एजेंसी की नहीं, बल्कि पूरे बराक घाटी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में ये विजेता राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न सौंदर्य प्रतियोगिताओं और मॉडलिंग आयोजनों में हिस्सा लेंगे।उभरते हुए मॉडलों को प्रतिष्ठित मंच उपलब्ध कराने के लिए शाइन एजेंसी ने स्पार्क इवेंट ग्रुप के प्रति आभार व्यक्त किया। संस्था ने स्पार्क इवेंट ग्रुप के निदेशक रिजु मिलर की दूरदर्शिता और निरंतर सहयोग की सराहना की। साथ ही ग्रूमिंग और तैयारी में महत्वपूर्ण सहयोग के लिए देवदान अकादमी, शिलचर को भी विशेष धन्यवाद दिया गया।शाइन एजेंसी की यह सफलता बराक घाटी के उन युवा प्रतिभाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है, जो मॉडलिंग और फैशन जगत में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। संस्था ने प्रतिभाशाली नए चेहरों को अवसर प्रदान करने और उन्हें राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

जोरहाट डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने इंडिपेंडेंस डे सेलिब्रेशन की तैयारियों का रिव्यू किया

जोरहाट: (अर्णव शर्मा) १९ जुलाई :जोरहाट डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने आने वाले इंडिपेंडेंस डे को पूरे जिले में आसानी से, सुरक्षित और शानदार तरीके से मनाने के लिए एक हाई-लेवल तैयारी मीटिंग की। डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर ऑफिस के कॉन्फ्रेंस हॉल में हुई मीटिंग की अध्यक्षता डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कमिश्नर (DDC) श्यामल क्षेत्र गोगोई ने की। इसमें सीनियर डिस्ट्रिक्ट अधिकारी, अलग-अलग सरकारी डिपार्टमेंट के हेड, वॉलंटरी और सोशल ऑर्गनाइजेशन के रिप्रेजेंटेटिव, सीनियर सिटिजन और डिस्ट्रिक्ट फ्रीडम फाइटर्स एसोसिएशन के मेंबर शामिल हुए। इकट्ठा हुए लोगों को संबोधित करते हुए, DDC ने हिस्सा लेने वालों का स्वागत किया और मीटिंग का एजेंडा बताया। चर्चा पिछले साल के इंडिपेंडेंस डे सेलिब्रेशन के रिव्यू के साथ शुरू हुई, जिसके बाद सुधार की जगहों की पहचान करने के लिए पहले किए गए इंतजामों और एक्टिविटीज.का असेसमेंट किया गया। एडिशनल डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर पंकज बोरा ने हिस्सा लेने वालों को डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर द्वारा सभी डिपार्टमेंट को नेशनल सेलिब्रेशन के दौरान बिना रुकावट कोऑर्डिनेशन पक्का करने के लिए जारी किए गए निर्देशों के बारे में जानकारी दी।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अहमियत पर जोर देते हुए, सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ.पुलिस शुभ्रज्योति बोरा ने इस मौके के लिए जिले के सिक्योरिटी प्लान के बारे में बताया। उन्होंने सिक्योरिटी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने पर जोर दिया और सभी सरकारी डिपार्टमेंट और जनता से सुरक्षित और शांतिपूर्ण जश्न पक्का करने के लिए एक्टिव सहयोग की अपील की। SSP ने नगर निगम अधिकारियों को एक खास एडवाइजरी भी जारी की, जिसमें उन्हें पब्लिक डस्टबिन की रेगुलर सफाई पक्का करने और पब्लिक जगहों पर कचरा जमा होने से रोकने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि सफाई बनाए रखने से सुरक्षा की संभावित चिंताओं को खत्म करके सुरक्षा की तैयारी भी मजबूत होगी। बाद में मीटिंग चर्चा के लिए खोली गई, जिसमें डिपार्टमेंट के हेड, पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव और दूसरे स्टेकहोल्डर ने स्वतंत्रता दिवस प्रोग्राम को सफलतापूर्वक चलाने के लिए कीमती सुझाव और रिकमेंडेशन दिए। मीटिंग खत्म करते हुए, DDC श्यामल क्षेत्र गोगोई ने सभी पार्टिसिपेंट्स को धन्यवाद दिया और जिले के स्वतंत्रता दिवस समारोह को यादगार और सफल बनाने के लिए हर स्टेकहोल्डर से मिलकर काम करने की अपील की। मौजूद लोगों में जोरहाट जिला परिषद के चीफ.एग्जीक्यूटिव ऑफसिर मनोज कुमार बरुआ, जिला परिषद प्रेसिडेंट सुरजीत सैकिया, जोरहाट डेवलपमेंट अथॉरिटी के चेयरमैन प्रशांत ज्योति गोस्वामी और जोरहाट म्युनिसिपल बोर्ड के वाइस-चेयरमैन दिलीप दत्ता शामिल थे। इसके अलावा, टीओक, मरियानी और टिटाबोर के को-डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर, सभी एडिशनल डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर, सर्कल ऑफसिर, असिस्टेंट कमिश्नर, इलेक्शन ऑफसिर, अलग-अलग सरकारी डिपार्टमेंट के हेड, पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव और दूसरे सीनियर ऑफसिर भी मौजूद थे।

जोरहाट में जल जीवन मिशन और सैनिटेशन की पहल की प्रोग्रेस का रिव्यू किया गया

जोरहाट :(अर्णव शर्मा) १९ जुलाई : जोरहाट डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर के ऑफिस में डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर जय शिवानी की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट वॉटर एंड सैनिटेशन मिशन (DWSM) की मंथली रिव्यू मीटिंग हुई। इस मीटिंग में पूरे जिले में पीने के पानी और सैनिटेशन के जरूरी प्रोग्राम को लागू करने का असेसमेंट किया गया।मीटिंग में जल जीवन मिशन (JJM) और स्वच्छ भारत मिशन (SBM) की ओवरऑल प्रोग्रेस का रिव्यू किया गया। इसमें अधिकारियों ने चल रहे प्रोजेक्ट, लागू करने में आने वाली चुनौतियों और ग्रामीण पानी सप्लाई और सैनिटेशन इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के मकसद से भविष्य की स्ट्रेटेजी का जायजा लिया। जल जीवन मिशन के परफॉर्मेंस पर डिटेल में चर्चा हुई, जिसमें पिछली DWSM मीटिंग में लिए गए फैसलों का एक्शन टेकन रिपोर्ट (ATR) के जरिए असेसमेंट भी शामिल था। अधिकारियों ने बंद पानी सप्लाई स्कीम को फिर से चालू करने, तुरंत मरम्मत के अनुमान के लिए ऊथडच से मंजूरी लेने और क्लस्टर के हिसाब से चल रहे प्रोजेक्ट की प्रोग्रेस को मॉनिटर करने के उपायों का भी रिव्यू किया। मीटिंग में 'हर घर जल' गांवों की मौजूदा स्थिति और डचतड (लार्ज मल्टी-विलेज स्कीम) के तहत फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (FHTCs) को लागू करने की भी जांच की गई। स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्रोग्रेस का भी रिव्यू किया गया, जिसमें ग्रामीण सफाई सिस्टम को मजबूत करने और पूरे जिले में असरदार सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पक्का करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को संबोधित करते हुए, जिला कमिश्नर जय शिवानी ने सभी लागू करने वाली एजेंसियों को यह पक्का करने का निर्देश दिया कि चल रहे प्रोजेक्ट काम की क्वालिटी से समझौता किए बिना तय समय में पूरे हों। उन्होंने जनता के लिए लंबे समय तक फायदे पक्का करने के लिए ऊंचे कंस्ट्रक्शन और सर्विस स्टैंडर्ड बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। मीटिंग में जोरहाट जिला परिषद के प्रेसिडेंट सुरजीत सैकिया, टिटाबोर और टिओक के को-डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर, एडिशनल डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर, असिस्टेंट कमिश्नर, पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के अधिकारी, जिनमें एग्जीक्यूटिव और असिस्टेंट इंजीनियर शामिल हैं, पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, सभी ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर, डिपार्टमेंट के अधिकारी और दूसरे संबंधित डिपार्टमेंट के प्रतिनिधि शामिल हुए। रिव्यू मीटिंग में जिला प्रशासन के इस वादे को फिर से पक्का किया गया कि वह सरकारी प्रोग्राम को अच्छे से लागू करके पीने के साफ.पानी की सप्लाई और बेहतर सफाई सर्विस पक्का करेगा।

लायंस क्लब ऑफ.ब्रह्मपुत्र वैली, डिब्रूगढ.ने नई टीम बनाई; अवनीश प्रताप कनोई प्रेसिडेंट बने

डिब्रूगढ (अर्णव शर्मा) १९ जुलाई : : लायंस क्लब ऑफ.ब्रह्मपुत्र वैली, डिब्रूगढ.का लायंसिस्टिक साल २०२६-२७ के लिए इंस्टॉलेशन सेरेमनी शनिवार को डिब्रूगढ.के ए.टी. रोड पर लायंस के.के. सहारिया आई हॉस्पिटल के ऑडिटोरियम में एक शानदार माहौल में हुई।सेरेमनी के दौरान, लायन अवनीश प्रताप कनोई ने फॉर्मली प्रेसिडेंट का चार्ज संभाला, जबकि लायन कृष्णा भरतिया ने सेक्रेटरी के तौर पर शपथ ली। इवेंट की अध्यक्षता मौजूदा प्रेसिडेंट, लायन मालविंदर सिंह ने की।इंस्टॉलेशन सेरेमनी को लायंस डिस्ट्रिक्ट ३२२ऊकी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, डॉ. नीना दत्ता ने किया, जिन्होंने नई चुनी हुई एग्जीक्यूटिव कमेटी को पद की शपथ दिलाई। मंच पर मौजूद लोगों में रीजन चेयरमैन लायन संदीप केजरीवाल, लायंस के.के. के चेयरमैन शामिल थे। सहारिया आई हॉस्पिटल के उअ नव संजय जैन, प्रेसिडेंट अवनीश प्रताप कनोई, सेक्रेटरी कृष्णा भरतिया और ट्रेजरर अजय जैन।इस फंक्शन में लायंस क्लब के मेंबर, जाने-माने नागरिक और शहर भर के जाने-माने सोशल वर्कर शामिल हुए।प्रोग्राम के हिस्से के तौर पर, क्लब ने डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. नीना दत्ता, रीजन चेयरमैन संदीप केजरीवाल और सीनियर जर्नलिस्ट मनोज पांडे को पारंपरिक असमिया गमोसा से सम्मानित किया। लायंस क्लब की एक्टिविटीज.को बढावा देने में उनके योगदान के लिए, डॉ. दत्ता ने मनोज पांडे को एक खास लायंस क्लब बैज से भी सम्मानित किया।शपथ दिलाते हुए, डॉ. दत्ता ने नए चुने गए ऑफिस-बेयरर्स को उनकी जिम्मेदारियों और ऑर्गनाइजेशन के इंसानियत की सेवा के कमिटमेंट के बारे में बताया। उन्होंने क्लब के बोर्ड ऑफ.डायरेक्टर्स को भी शामिल किया, जिसमें अजीत बजाज, अशोक जालान, डॉ. अनंत सैकिया, डॉ. बसंत केशन, मनीष अग्रवाल, उअ नव संजय जैन, प्रमिला सहारिया, राज कुमार दम्मानी, सज्जन हरलालका, सपना बजाज, सूर्य सिंघानिया, शरद हंसारिया, सुमित अग्रवाल और विवेक देवडा शामिल थे। नई लीडरशिप को बधाई देते हुए, डॉ. दत्ता ने भरोसा जताया कि क्लब नई एग्जीक्यूटिव टीम के तहत अपनी सर्विस की पहल, फेलोशिप और कम्युनिटी वेलफेयर प्रोग्राम को और मजबूत करता रहेगा। उन्होंने कहा कि लायंस क्लब्स इंटरनेशनल का मुख्य मकसद समाज के आखिरी व्यक्ति तक अच्छी सर्विस पहुंचाना है, और इस दिशा में लगातार योगदान के लिए ब्रह्मपुत्र वैली क्लब की तारीफ की।वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए, लायंस के.के. सहारिया आई हॉस्पिटल के चेयरमैन, उअ नव संजय जैन ने हॉस्पिटल की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि पिछले डेढ.साल में, हॉस्पिटल ने ३५० से ज़्यादा फ्री आई स्क्रीनिंग कैंप लगाए हैं, जिससे लगभग २४,००० लोगों को फायदा हुआ है, और लगभग ४,००० फ्री मोतियाबिंद सर्जरी सफलतापूर्वक की गई हैं।उन्होंने हॉस्पिटल की 'रोशनी' पहल के बारे में भी बताया, जिसमें लोगों को जन्मदिन, शादी की सालगिरह और परिवार की दूसरी खास मौकों पर योगदान देकर आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों की आंखों की देखभाल में मदद करने के लिए बढावा दिया जाता है। उन्होंने लोगों से वेलफेयर प्रोग्राम में दिल खोलकर हिस्सा लेने और जरूरतमंदों की आंखों की रोशनी वापस लाने में मदद करने की अपील की।इस मौके पर, लायन सज्जन हरलालका को लायंस इंटरनेशनल में २५ साल की सर्विस पूरी करने के लिए सम्मानित किया गया, जबकि लायन राज कुमार दम्मानी को २० साल की डेडिकेटेड सर्विस के लिए सम्मानित किया गया। सीनियर जर्नलिस्ट मनोज पांडे को भी क्लब की एक्टिविटीज.को बढावा देने में उनके सपोर्ट के लिए एक स्पेशल बैज मिला।शो का संचालन लायन नलिन खेमानी ने किया, जबकि नए चुने गए ट्रेजरर अजय जैन ने मेहमानों, मेंबर्स और आए हुए लोगों का शुक्रिया अदा करते हुए वोट ऑफ.थैंक्स कहा।सेरेमनी एकता और कमिटमेंट के साथ खत्म हुई, जिसमें नई बनी टीम ने डेडिकेशन, दया और सोशल जिम्मेदारी के साथ समाज की सेवा करने का अपना इरादा दोहराया।

राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' अभियान, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

गुवाहाटी, १९ जुलाई (हि.स.)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) ने रविवार को प्रदेश मुख्यालय राजीव भवन में संवाददाता सम्मेलन कर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' अभियान का समर्थन किया और केंद्र व राज्य सरकार की शिक्षा नीतियों की कडी आलोचना की।कांग्रेस विधायक अब्दुर रहीम ने पेपर लीक मामलों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए सरकार पर छात्रों के भविष्य से खिलवाड.करने का आरोप लगाया। उन्होंने सोनम वांगचुक को प्रदर्शन स्थल से हटाकर अस्पताल में रखने की भी निंदा की।पूर्व विधायक सत्यव्रत कलिता ने सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी, शिक्षा व्यवस्था की बदहाली और विधानसभा के मौजूदा सत्र में शिक्षा पर विशेष चर्चा के लिए एक दिन निर्धारित करने की मांग की। उन्होंने सोनम वांगचुक की पेंटिंग बनाने वाले कलाकारों की गिरफ्तारी पर भी सरकार को घेरा।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर राजनीति गर्माई, राहुल-खरगे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, कहा- चुप्पी स्वीकार्य नहीं

नई दिल्ली. (एजें) १९ जुलाई :अयोध्या के राम मंदिर में हुई कथित चोरी का मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है. इस मुद्दे को लेकर विपक्षी दल लगातार बीजेपी और केंद्र सरकार पर निशाना साध रहे हैं. इस बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र और व्यापक जांच कराने की मांग की है. साथ ही पीएम की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं.राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है. ट्रस्ट को प्राप्त दान की व्यापक जांच का आदेश देने का आग्रह किया है. पत्र में कहा गया है 'हम आपसे आग्रह करते हैं कि ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की तत्काल स्वतंत्र और व्यापक जांच का आदेश दें, जिसमें नकद, सोना और चांदी सहित सभी प्रकार के चढावों का प्रबंधन शामिल हो. जांच के निष्कर्ष और ट्रस्ट के खाते सार्वजनिक किए जाएं ताकि प्रत्येक श्रद्धालु को पता चल सके कि उनके चढावों का उपयोग कैसे किया गया हैद्ध.नेताओं ने अपने पत्र में कहा, आप श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में हजारों करोड.रुपए की चोरी से अवगत हैं. लाखों श्रद्धालु जिन्होंने आस्था, भक्ति और विश्वास के साथ अपनी मेहनत की कमाई दान की थी, वो इस चोरी से ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं. दोनों नेताओं ने ट्रस्ट के खातों को सार्वजनिक करने की मांग की और कहा कि दोषी पाए जाने वालों को पद या प्रभाव की परवाह किए बिना जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए. उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा कि उन्होंने सवीच्च न्यायालय के निर्देशों पर संसद में ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी, लेकिन इसके सदस्यों की नियुक्ति पूरी तरह से उनकी सरकार द्वारा की गई है.

नेताओं ने कहा आपने भारत के सवीच्च न्यायालय के निर्देशों पर संसद में ट्रस्ट के गठन की घोषणा की, लेकिन इसके सदस्यों की नियुक्ति पूरी तरह से आपकी सरकार द्वारा की गई है. यह सर्वविदित है कि ट्रस्ट के सदस्य आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और उसके सहयोगी संगठनों से जुडे.हुए हैं. इसके पूर्व महासचिव भी आपके करीबी सहयोगी थे.कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की चुप्पी अस्वीकार्य है और उनसे जवाबदेही और क्षतिपूर्ति सुनिश्चित करने का आग्रह किया. उन्होंने कहा, इस तरह के अपराध के सामने आपकी चुप्पी अस्वीकार्य है. जवाबदेही और क्षतिपूर्ति सुनिश्चित करना आपका कर्तव्य है. हम आपसे आग्रह करते हैं कि आप ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की तत्काल एक स्वतंत्र और व्यापक जांच का आदेश दें, जिसमें नकदी, सोना और चांदी सहित सभी प्रकार के चढावों का प्रबंधन शामिल हो.

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इस मामले में जो भी दोषी पाए जाएं, उन्हें पद या प्रभाव की परवाह किए बिना जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए. नेताओं ने कहा आपकी सरकार और ट्रस्ट की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि आप कितनी पारदर्शिता और तेजी से कार्रवाई करते हैं. भारत की जनता देख रही है. जय हिंद!. पत्र में लिखा है जांच के निष्कर्ष और ट्रस्ट के खातों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए ताकि प्रत्येक श्रद्धालु को पता चल सके कि उनके चढावे का उपयोग कैसे किया गया है.

दो दिन बाद सुरक्षित घर लौटी, राष्ट्रीय निशानेबाज दमयंती सेन ठिकाने को लेकर रहस्य बरकरार

कोलकाता.(एजें) १९ जुलाई : राष्ट्रीय स्तर की १५ वर्षीय निशानेबाज दमयंती सेन, जो गुरुवार दोपहर से लापता थीं, शनिवार सुबह सुरक्षित अपने घर लौट आई. उनकी सकुशल वापसी से परिवार, मित्रों और निशानेबाजी जगत ने राहत की सांस ली है. हालांकि, पिछले दो दिनों के दौरान वह कहां थीं और किन परिस्थितियों में रहीं, इसे लेकर रहस्य अब भी बरकरार है. पुलिस की ओर से गठित विशेष जांच दल (डखढ) ने भी समाचार लिखे जाने तक इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की थी.शनिवार तडके दमयंती सेन को कोलकाता से सटे हावडा जिले के रामकृष्णपुर फेरी जेटी के पास बिना किसी उद्देश्य के घूमते हुए देखा गया. सुबह टहलने निकले कुछ लोगों ने उन्हें पहचान लिया और तुरंत उनके परिजनों को इसकी सूचना दी.सूचना मिलते ही दमयंती सेन के पिता धुबज्योति सेन मौके पर पहुंचे और अपनी बेटी को सुरक्षित घर ले आए. इसके साथ ही दो दिनों से चल रही तलाश का अंत हुआ और परिवार को बडी राहत मिली.हालांकि दमयंती की वापसी के बाद भी उनके लापता रहने की पूरी कहानी सामने नहीं आ सकी है. परिवार की ओर से भी इस पूरे घटनाक्रम पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया गया है. दूसरी ओर, शुक्रवार को दमयंती की तलाश और उनके लापता होने के कारणों की जांच के लिए गठित चार सदस्यीय विशेष जांच दल (डखढ) ने भी अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है.दमयंती सेन का हाल ही में भारतीय राष्ट्रीय टीम के ट्रायल के लिए चयन हुआ था. गुरुवार दोपहर वह घर से कुछ घरेलू सामान खरीदने के लिए निकली थीं, लेकिन उसके बाद वापस नहीं लौटीं. उनके माता-पिता के अनुसार, घर से निकलते समय उनके पास मोबाइल फोन भी था.

गुरुवार दोपहर से शनिवार सुबह तक के दौरान दमयंती सेन दो अलग-अलग स्थानों पर दिखाई दी थीं. सबसे पहले गुरुवार को हावडा स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज में वह प्लेटफॉर्म संख्या चार और पांच के बीच आती-जाती नजर आई. इसके बाद शुक्रवार दोपहर उन्हें हावडा से सटे हुगली जिले के श्रीरामपुर में आयोजित प्रसिद्ध महेश रथ यात्रा में देखा गया. यह सूचना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई, जिसके बाद पुलिस ने उनकी तलाश के लिए चार अलग-अलग टीमें तैनात कर दी थीं. दमयंती सेन मध्य हावडा की रहने वाली हैं.हालांकि, उनकी सुरक्षित वापसी के बावजूद पिछले दो दिनों के दौरान उनकी गतिविधियों और ठिकाने को लेकर स्थिति अब भी स्पष्ट नहीं हो सकी है. इस पूरे घटनाक्रम को लेकर जांच जारी है और पुलिस की ओर से आधिकारिक जानकारी का इंतजार किया जा रहा है.

दमयंती सेन के सुरक्षित घर लौटने से उनके पडोसियों और निशानेबाजी के साथियों ने राहत व्यक्त की है. राष्ट्रीय स्तर की युवा खिलाडी के अचानक लापता होने की घटना ने खेल जगत में भी चिंता पैदा कर दी थी.

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि पश्चिम बंगाल के निशानेबाजी जगत में यह पहला विवाद नहीं है. मार्च २०२५ में पश्चिम बंगाल राइफल एसोसिएशन ने ओलंपियन और भारतीय राइफल टीम के पूर्व कोच जॉयदीप कर्मकार को राज्य में सभी निशानेबाजी गतिविधियों से निलंबित कर दिया था. उनका निलंबन जनवरी २०२५ में सोशल मीडिया पर एसोसिएशन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के बाद हुआ था.

भाजपा का पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान, ३९ संगठनात्मक जिलों में चल रहा प्रशिक्षण

गुवाहाटी, १९ जुलाई (हि.स.)। भारतीय जनता पाटी (भाजपा) असम प्रदेश द्वारा संगठन को अधिक गतिशील, मजबूत और जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से राज्य के ३९ संगठनात्मक जिलों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान चलाया जा रहा है। पाटी के अनुसार, ५ जुलाई से शुरू हुए दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का अब तक २७ संगठनात्मक जिलों में सफलतापूर्वक आयोजन किया जा चुका है।भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रांजल कलिता ने आज बताया कि प्रशिक्षण वर्गी में प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया, सांसद, विधायक तथा प्रदेश पदाधिकारी प्रशिक्षक के रूप में मार्गदर्शन देने के साथ-साथ अपने-अपने जिलों में प्रशिक्षु के रूप में भी भाग ले रहे हैं।उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य पाटी कार्यकर्ताओं को संगठन के इतिहास, विचारधारा, कार्यप्रणाली, अनुशासन और संगठनात्मक जिम्मेदारियों की व्यापक जानकारी देना है। प्रशिक्षण के दौरान संगठन को और अधिक मजबूत बनाने में कार्यकर्ताओं की भूमिका तथा विभिन्न संगठनात्मक गतिविधियों पर भी विस्तार से चर्चा की जा रही है।अब तक इस अभियान में जिला एवं प्रदेश स्तर के ४,००० से अधिक पदाधिकारी और कार्यकर्ता भाग ले चुके हैं। इनमें जिला कार्यकारिणी सदस्य, मोर्चा पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं महासचिव, जनप्रतिनिधि, स्वायत्त परिषदों के सदस्य, पंचायत एवं नगर निकायों के प्रतिनिधि तथा नव-शामिल कार्यकर्ता शामिल हैं।प्रशिक्षण वर्गी के दौरान विशेष प्रदर्शनी भी आयोजित की जा रही है, जिसमें भाजपा के इतिहास, संगठनात्मक विकास और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रदर्शित किया गया है। पाटी का कहना है कि यह अभियान संगठन की नींव को और मजबूत करने तथा भविष्य में भाजपा को अधिक सशक्त, सक्रिय और जनोन्मुखी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

विधायक का अनोखा अंदाज: सिर पर जापी और पारंपरिक गमछा पहनकर खेतों में उतरे रूपम चंद्र रॉय

कोकराझार १९ जुलाई : जनप्रतिनिधि अक्सर अपने कार्यों को लेकर चर्चा में रहते हैं, लेकिन बाओखुंगरी (Baokhungri) विधानसभा क्षेत्र के विधायक रूपम चंद्र रॉय ने सादगी और जमीनी जुड़ाव की एक अनूठी मिसाल पेश की है। विधायक का एक ऐसा रूप देखने को मिला, जिसे देखकर हर कोई उनकी सराहना कर रहा है। कोकराझार के निकटवती हारिविटा गाँव में विधायक रूपम चंद्र रॉय पूरी तरह से एक किसान के वेश में नजर आए। सिर पर पारंपरिक 'जापी' और कंधों पर को-राजवंशी गमछा ओढे.विधायक ने खुद खेतों में उतरकर काम किया। उन्होंने न केवल हाथों में कमान संभाली, बल्कि स्वयं पावर टिलर चलाकर खेत की जुताई भी की। इसके बाद, उन्होंने महिला रोपाई करने वालों के साथ मिलकर धान की रोपाई में हाथ बंटाया।

विधायक की सादगी सिर्फ काम तक ही सीमित नहीं रही। खेत में काम करने के दौरान उन्होंने रोपाई करने वाले किसानों के साथ बैठकर दोपहर का भोजन भी किया। इस दौरान उन्होंने किसानों के साथ मिलकर कठल (कटहल) और केले का आनंद लिया। किसानों के बीच बैठकर आम लोगों की तरह भोजन करते हुए विधायक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। ?विधायक का यह अंदाज यह संदेश देने के लिए काफी है कि सत्ता के शिखर पर होने के बावजूद वे आज भी अपनी जडों और मेहनत करने वाले किसानों से गहराई से जुडे.हुए हैं। स्थानीय लोगों ने विधायक के इस सरल और मेहनती स्वभाव की मुक्त कंठ से प्रशंसा की है।

टिन्नू यादव तो मास्टरमाइंड निकला! राम मंदिर में चंपत राय जितना दखल था, चढ़ावा चोरी की SIT जांच में खुल गई परतें

अयोध्या (एजें) १९ जुलाई : राम मंदि?र चढावा चोरी मामले में एसआईटी की जांच जैसे-जैसे आगे बढ.रही है, वैसे-वैसे नए खुलासे हो रहे हैं. सूत्रों के मुताबि?क, विस्तृत जांच में टिन्नू यादव की भूमिका पहले से अधिक स्पष्ट होकर सामने आई है. टिन्नू यादव ट्रस्ट की आधिकारिक लिखापढी का हिस्सा नहीं था, लेकिन वह प्रबंधन में चंपत राय के साथ बराबरी से काम देख रहा था. एसआईटी ने बिना नाम लिए संकेत दिया कि टिन्नू के पास मंदिर प्रबंधन की हर संवेदनशील जानकारी रहती थी और उसकी हर स्तर तक पहुंच थी. जांच में सामने आया कि हुंडियों (दान पात्रों) की चाबियां भी टिन्नू यादव के पास रहती थीं, जिसके लिए चंपत राय को परोक्ष रूप से जिम्मेदार माना गया है.

भर्ती प्रक्रिया चोरी की सबसे बडी वजहों में शामिलएसआईटी ने भर्ती प्रक्रिया को चोरी की सबसे बडी वजहों में शामिल किया है. जिन गणनाकर्मियों की गिरफ्तारी हुई, वे आउटसोर्स हाउसकीपिंग कर्मचारी थे, जिनसे चढावे की गिनती कराई जा रही थी. जांच के अनुसार, इन कर्मचारियों की भर्ती ट्रस्ट पदाधिकारियों की सिफारिश पर हुई और इसमें नियमों का पालन नहीं किया गया. एसआईटी ने माना कि एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) के नियमों को कमजोर किए जाने से चोरी की गुंजाइश बनी. विस्तृत जांच रिपोर्ट जमा करने की १५ जुलाई की समयसीमा पूरी हो चुकी है और रिपोर्ट लगभग तैयार है. रिपोर्ट कभी भी सरकार को सौंपी जा सकती है. प्रारंभिक रिपोर्ट में एफआईआर दर्ज करने और नए सीईओ की नियुक्ति की सिफारिश की गई थी, जिस पर कार्रवाई जारी है. उन्हें मंदिर प्रबंधन में लापरवाही और निगरानी में नाकामी का जिम्मेदार माना गया है क्योंकि पूरा प्रबंधन उनके अधीन था. एसआईटी ने आपराधिक साजिश में उनकी भूमिका पर कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की है, क्योंकि पुलिस की विवेचना अभी जारी है. जांच में एसओपी में बदलाव और भर्ती प्रक्रिया की अनियमितताओं के लिए ट्रस्?ट के वरिष्ठ को सबसे अधिक जिम्मेदार ठहराया गया है.

लखीमपुर जिले के गोगामुख सुवनशिरी नदी में डूबे २ छात्र, SDRF कर रही तलाश

लखीमपुर १८ जुलाई जिले के गोगामुख स्थित सुवनशिरी नदी के चाउलधोरा घाट पर नहाने के दौरान २ छात्र लापता हो गए।लापता छात्रों की पहचान निर्मल नाथ कक्षा-९ और सत्य नाथ कक्षा-११ के रूप में हुई है। घटना के बाद से ही डउ्रऋ की टीम मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुटी है। इस दुखद घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर तरह तरह के कयास लगाये जा रहे है।

नशेडी युवक ने बच्चे का अपहरण कर की हत्या, आरोपित गिरफ्तार

कामरूप (असम), १९ जुलाई (हि.स.)। रंगिया से नौ दिन पहले लापता हुए आठ वर्षीय बालक की कथित रूप से अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। इस मामले में रंगिया पुलिस ने रफीकुल अली नामक युवक को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने आज बताया कि मृत बच्चे की पहचान चंद्रन तालुकदार के रूप में हुई है। वह रंगिया रेलवे स्टेशन के पास से लापता हो गया था। बेटे के लापता होने के बाद उसकी मां दीपा तालुकदार लगातार रंगिया की गली-गली और मोहल्लों में उसकी तलाश करती रही। बाद में उन्होंने रंगिया थाने में शिकायत दर्ज कराई।पुलिस जांच के दौरान उदियाना क्षेत्र में किराये पर रहने वाले रफीकुल अली को मुख्य आरोपित के रूप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपित प्लास्टिक की पानी की बोतलें बटोरने का काम करता था और नशे का आदी बताया जा रहा है।रंगिया पुलिस ने रविवार को बताया कि आरोपित से पूछताछ जारी है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

किसान परिवार के बेटे रूपम ने प्रथम श्रेणी में एम.एससी. की परीक्षा उत्तीर्ण की और स्वर्ण पदक जीता, जिससे इलाके में खुशी की लहर दौड.गई।

गौतम सरकार रामकृष्णनगर, १९ जुलाई: रामकृष्णनगर विधानसभा संस्था के अंतर्गत बरुआला ग्राम पंचायत के वार्ड संख्या ६ में रहने वाले किसान रितेंद्र कुमार नाथ और कलाकार रानी नाथ के सबसे बडे.पुत्र रूपम नाथ ने असम विश्वविद्यालय से गणित में एम.एससी. प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है। उन्होंने ९३ प्रतिशत अंकों के साथ स्वर्ण पदक भी प्राप्त किया है। उनकी यह सफलता पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर लेकर आई है। केवल धन से ही कोई अपने लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकता। कुछ कर दिखाने की योजना मन में होनी चाहिए। यह स्वयं की मेहनत और समर्पण से ही संभव है। पश्चिम बरुआला गांव के रूपम नाथ ने यही कर दिखाया है। तमाम कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने कडी मेहनत की और सही दिशा में आगे बढे। परिणामस्वरूप, उन्होंने अपने जीवन में इतनी सफलता प्राप्त की है। उनकी सफलता की खबर सुनकर रामकृष्णनगर विधानसभा संस्था के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता अमृत पाल रविवार को उनके घर गए और उन्हें उत्तरीय वस्त्र पहनाकर इस अभूतपूर्व सफलता पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि बरुआला ग्राम पंचायत के इस दूरस्थ गांव के एक गरीब किसान परिवार के पुत्र रूपम नाथ ने एमएससी में प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण की है और असम विश्वविद्यालय से स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। जिस पर हम, बरुआला के सभी लोग, गर्व महसूस करते हैं। इस क्षेत्र के अन्य छात्रों ने भी एमएससी उत्तीर्ण की है। लेकिन रूपम ने ९३ प्रतिशत अंक प्राप्त किए और गणित में सम्मान सहित प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसलिए हम सभी उन्हें बधाई देते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। रूपम नाथ ने कहा कि मेरी इस सफलता के पीछे सबसे पहले मेरे माता-पिता, मेरी मौसी, स्कूल और कॉलेज के शिक्षक हैं। सभी के सहयोग से मैं आज इस मुकाम पर पहुंचा हूं। मेरे परिवार की आर्थिक तंगी के बावजूद, सभी ने मेरा साथ दिया है। भविष्य में मेरा लक्ष्य नेट परीक्षा उत्तीर्ण करके सहायक प्रोफेसर बनना है। उस दिन रूपम की बुआ संपू नाथ, मेरी बुआ रिंकू दास, मेरे माता-पिता और स्थानीय लोग उनके साथ थे। रूपम के पिता एक गरीब किसान हैं। वे दूसरों के खेतों में काम करके अपने परिवार के लिए दो मुट्ठी भोजन कमाते थे। आज उसी परिवार के बेटे ने असम विश्वविद्यालय से प्रथम श्रेणी में एम.एससी. उत्तीर्ण की है और स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। इसलिए, पूरा समुदाय उसकी इस सफलता पर गर्व महसूस कर रहा है।

दीप प्रज्वलन के साथ रामकृष्णनगर में १५ दिवसीय समष्टि-आधारित ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक कार्यशाला का शुभारंभ

गौतम सरकार, रामकृष्णनगर, १८ जुलाई। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से राज्यभर में समष्टि-आधारित ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र में विजय उडान एनजीओ तथा संस्कार भारती के संयुक्त तत्वावधान में रामकृष्ण विद्यापीठ के शचिंद्र मोहन दत्त स्मृति मंच पर १५ दिवसीय ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन रामकृष्णनगर कॉलेज के प्राचार्य अर्जुन देव नाथ, रामकृष्ण विद्यापीठ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य विश्वजीत नाथ, संस्कार भारती रामकृष्णनगर उपजिला इकाई के अध्यक्ष समीरण नाथ, विजय उडान एनजीओ के अध्यक्ष धनंजय नाथ तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन अवसर पर संस्कार भारती के कलाकारों ने मंगलाचरण एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया, जबकि संस्था की सचिव शर्मिला भट्टाचार्य ने स्वागत भाषण दिया।अपने संबोधन में प्रीतम पाल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ग्रीष्मावकाश के दौरान विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को विकसित करने के लिए यह सराहनीय पहल की गई है। उन्होंने कहा कि असम सरकार के सांस्कृतिक विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यशाला युवाओं को अपनी कला और सृजनात्मक क्षमता को निखारने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करेगी।प्राचार्य विश्वजीत नाथ ने कहा कि पाठ्यपुस्तकों का ज्ञान ही संपूर्ण शिक्षा नहीं है। संस्कृति, नैतिकता, आत्म-अभिव्यक्ति और जीवन-मूल्य भी शिक्षा के महत्वपूर्ण अंग हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अभ्यास, समर्पण और अनुशासन के साथ अपनी प्रतिभा को विकसित करने का आह्वान किया।रामकृष्णनगर कॉलेज के प्राचार्य अर्जुन देव नाथ ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य केवल कला प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में सामाजिक, आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों का विकास करना भी है। उन्होंने कहा कि इन्हीं मूल्यों के आधार पर विद्यार्थी समाज में एक सम्मानित और आदर्श नागरिक के रूप में अपनी पहचान बना सकते हैं।कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने समूह एवं एकल नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की। प्रथम दिवस के कार्यक्रम का संचालन दीपायन डे ने किया।इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यकर्ता विश्वतोष सेन, रामकृष्णनगर नगरपालिका की अध्यक्ष प्रतिमा नाथ, उपाध्यक्ष हिमांशु देव, पूर्व शिक्षक रंजीत नाथ, अरुण चौधरी, वार्ड आयुक्त संदीप दत्त, रामकृष्णनगर मंडल युवा मोर्चा के अध्यक्ष निशीथ नाथ, शिक्षक समरजीत विश्वास सहित संस्कार भारती एवं विजय उडान के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बडी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

उसे गिरफ्तार करो, आज रात ही पकडो: फरियाद लेकर पहुंची महिला तो CM हिमंत बिस्वा सरमा ने तुरंत दिया आदेश

गुवाहाटी (एजें) १९ जुलाई :. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक महिला की शिकायत पर तुरंत और कडा रुख अपनाते हुए पुलिस को आरोपी पति की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए हैं. महिला ने आरोप लगाया है कि उसके पति ने दूसरी महिला से शादी कर ली है और अब उसे तलाक देने की धमकी दे रहा है. बताया जा रहा है कि आरोपी असम पुलिस का कर्मचारी है. शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा, ङ्कउसे गिरफ्तार करो. उसे आज रात ही पकडो.ङ्क

मुख्यमंत्री के इस सख्त निर्देश को राज्य सरकार के बहुविवाह के खिलाफ कठोर रुख के रूप में देखा जा रहा है. यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब हाल ही में असम विधानसभा के बजट सत्र में बहुविवाह करने वाले पुरुषों पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने और ऐसे मामलों में शामिल सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ नौकरी से बर्खास्तगी जैसी कार्रवाई के प्रस्ताव पर चर्चा हुई थी. राज्य सरकार पहले भी बहुविवाह के खिलाफ सख्त कानून और प्रशासनिक सुधारों की आवश्यकता पर जोर देती रही है. सरकार का मानना है कि इस तरह की प्रथाओं पर रोक लगाने के लिए कठोर कदम उठाना जरूरी है. सूत्रों के मुताबिक, संबंधित शिकायत की जांच शुरू कर दी गई है और पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है. मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद इस मामले ने राज्य की राजनीति और प्रशासनिक हलकों में भी चर्चा तेज कर दी है. असम सरकार के हालिया रुख से यह संकेत मिल रहा है कि बहुविवाह और महिलाओं के अधिकारों से जुडे.मामलों में सरकार अब किसी भी तरह की लापरवाही बरतने के मूड में नहीं है

भक्ति बिना ज्ञान हानिकारक

जो बीज हिंदू धर्म-ग्रंथों में छिट-पुट दिखाई देती है, उसे गीता ने अनेक रूपों में, अनेक शब्दों में, पुनरुक्ति का दोष स्वीकार करके भी अच्छी तरह स्थापित किया है। वह अद्वितीय उपाय है कर्मफलत्याग। इस मध्यबिंदु के चारों ओर गीता की सारी सजावट है। भक्ति, ज्ञान इत्यादि इसके आसपास तारामंडल-रूप में सज गए हैं। जहां देह है, वहां कर्म तो है ही। उससे कोई मुक्त नहीं है, फिर भी देह को प्रभु का मंदिर बना कर उसके द्वारा मुक्ति प्राप्त होती है, यह सब धर्मों ने प्रतिपादित किया है। परंतु कर्ममात्र में कुछ दोष तो है ही, मुक्ति तो निर्दोष की ही होती है। तब कर्मबंधन में से अर्थात् दोष-स्पर्श में से कैसे छुटकारा हो? इसका जवाब गीता ने निश्चयात्मक शब्दों में दिया है- निष्काम कर्म से, यज्ञार्थ कर्म करके, कर्मफल त्याग करके, सब कर्मों को कृष्णार्पण करके अर्थात् मन, वचन और काया को ईश्वर में होम करके। पर निष्कामता, कर्मफल-त्याग कहने भर से नहीं हो जाता। यह केवल बुद्धि का प्रयोग नहीं है। यह हृदय-मंथन से ही उत्पन्न होता है। यह त्याग-शक्ति पैदा करने के लिए ज्ञान चाहिए। ज्ञान का अतिरेक शुष्क पांडित्य के रूप में न हो जाए, इस ख्याल से गीताकार ने ज्ञान के साथ भक्ति को मिलाया और उसे प्रथम स्थान दिया। बिना भक्ति का ज्ञान हानिकारक है। इसलिए कहा गया- भक्ति करो तो ज्ञान मिल ही जाएगा। पर भक्ति तो सिर का सौदा है, इसलिए गीताकार ने भक्ति के लक्षण स्थितप्रज्ञ के से बतलाए हैं। तात्पर्य, गीता की भक्ति बाह्याचारिता नहीं है, अंधश्रद्धा नहीं है। गीता में बताए उपचार का बाह्य चेष्टा या क्रिया के साथ कम-से-कम संबंध है। जो किसी का द्वेष नहीं करता, जो करुणा का भंडार है, जो निरहंकार है, जिसे सुख-दुख शीत-उष्ण समान हैं, जो क्षमाशील है, जिसके निश्चय कभी बदलते नहीं, जिसने मन और बुद्धि ईश्वर को अर्पण कर दिए हैं, जो लोगों का भय नहीं रखता, जो शुभाशुभ का त्याग करने वाला है, जो शत्रु-मित्र पर समभाव रखने वाला है, जिसे मान-अपमान समान है, जिसे स्तुति से खुशी नहीं होती और निंदा से ग्लानि नहीं होती, जो मौनधारी है, जिसे एकांत प्रिय है, जो स्थिरबुद्धि है, वह भक्त है। यह भक्ति आसक्त स्त्री-पुरुषों में संभव नहीं है।

पन्ना बहुत फायदे का रत्न

पन्ना बुध ग्रह का रत्न है। इसे और भी कई नामों से जाना जाता है। संस्कृत में इसे मरकत मणि, फारसी में जमरुन और अंग्रेजी में एमराल्ड कहा जाता है। पन्ना का रंग हल्का से गहरा हरा होता है।

किन-किन रंगों में पाया जाता है पन्ना

पन्ना मुख्यत: पांच रंगों में पाया जाता है। तोते के पंख के रंग का, पानी के रंग सा, सरेस के फूल के रंग जैसा, मोर के पंख जैसा और हल्का संदुल फूल के जैसा। पन्ना बहुत नरम रत्न है और यह कीमती भी होता है।

पन्ना धारण करने के फायदे

इसे धारण करने से अनिश्चितता निश्चितता में बदल जाती है। स्टूडेंट अगर इसे धारण करते हैं तो बुद्धि तेज हो जाती है। रोगियों के लिए पन्ना बलवर्धक, अरोग्यदायक और सुख देने वाला होता है। जिस घर में पन्ना होता है वहां अन्न-धन की वृद्धि, सुयोग्य संतान और भूत प्रेत की बाधा शांत होती है। सांप का भय भी नहीं रहता। नेत्र रोगों के लिए पन्ना बहुत लाभदायक है। इस रत्न को पांच मिनट सुबह सुबह एक गिलास पानी में घुमाएं और फिर आंखों पर वो पानी छिड़का जाए तो आंखों को लाभ मिलता है।

किन परिस्थितियों में धारण करें पन्ना

- पन्ना अगर मिथुन लग्न वाले धारण करें तो पारिवारिक परेशानियों से राहत मिल सकती है। माता का स्वास्थ ठीक रहता है। जनता से संबंधित कामों में सफलता मिलती है।
- कन्या लग्न वाले व्यक्ति भी पन्ना पहनकर राज्य, व्यापार, पिता, नौकरी, शासकीय कार्यों में लाभ पा सकते हैं अगर कन्या लग्न वाले बेरोजगार हैं तो रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।
- अगर किसी के जन्म लग्न में बुध छठे, आठवें, 12वें भाव में हो तो वे पन्ना पहन सकते हैं।
- बुध अगर नीच मीन राशि का हो तो वह भी पन्ना पहन सकते हैं।
- अगर बुध धनेश होकर नवम भाव में हो, तृतीयेश होकर दशम भाव में हो, चतुर्थेश सुखेश होकर आय एकादश स्थान में हो तो पन्ना पहनना अत्यंत लाभकारी होता है।
- बुध अगर सप्तमेश होकर दूसरे भाव में हो नवमेश चतुर्थ भाव में हो, एकादशेश होकर छठे भाव में हो तो पन्ना अवश्य पहनना चाहिए।
- अगर बुध शुभ स्थान का स्वामी होकर अष्टम भाव में हो तो पन्ना पहनना शुभ रहता है।
- अगर बुध की महादशा या अंतरदशा चल रही हो तो पन्ना अवश्य पहनें।
- अगर जन्म कुंडली में शुभ भाव 2, 3, 4, 5, 7, 9, 10 और 11वें भाव का स्वामी होकर छठे भाव में हो तो पन्ना पहनना श्रेष्ठ रहेगा।
- अगर बुध, मंगल, शनि और राहु या केतु के साथ स्थिति हो तो पन्ना अवश्य पहनें।
- अगर बुध पर शत्रु ग्रहों की दृष्टि हो तो पन्ना जरूर पहनना चाहिए।
- बुध अगर लग्नेश होकर चतुर्थ, पंचम या नवम भाव में शुभ ग्रहों के साथ हो तो पन्ना हितकर रहेगा।

कब और कैसे करें धारण

पन्ना बुधवार के दिन अश्लेषा, ज्येष्ठा या रेवती, नक्षत्र हो उस दिन सूर्योदय से लगभग 10 बजे तक पन्ना पहन सकते हैं। पन्ना हमेशा सोने में शुभ घड़ी में बनाकर ही पहनें। पन्ना कम से कम तीन कैरेट का होना चाहिए और उससे अधिक हो तो उत्तम रहेगा।

फेंगशुई टिप्स

घर में सुख शांति और प्यार के लिए करें ये उपाय

फेंगशुई में घर की शांति के लिए कई टिप्स बताए गए हैं। जानकार कहते हैं कि वास्तु की तरह ही फेंगशुई से घर में शांति,सुकून का वास होता है। साथ ही कलह से मुक्ति भी मिलती है। फेंगशुई में विंड चाइम,लॉफिंग बुद्धा,प्लास्टिक के फूल, कछुआ, जहाज, सिक्कों आदि का बहुत अधिक महत्व है। इन्हें अपने घर या कार्यस्थल में किसी निर्धारित दिशा में रखकर आप अपना व्यवसाय बढ़ा सकते हैं और शांति-सुकून भी पा सकते हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसे ही कारगर टिप्स के बारे में।

डाइनिंग रूम में न रखें टीवी

फेंगशुई के जानकार मानते हैं कि डाइनिंग रूम में टीवी नहीं रखना चाहिए। यह स्वास्थ्य के लिहाज से ठीक नहीं होता।

पुराना कबाड़ पैदा करता है कलह

वास्तु और फेंगशुई के जानकार कहते हैं कि घर में पुराना कबाड़ व बेकार चीजें नहीं रखनी चाहिए इससे परिवार में कलह पैदा होता है। खासतौर से शादीशुदा जोड़े को तो अपने पलंग के नीचे पुराना कबाड़ बिल्कुल नहीं रखना चाहिए।

यह होता है शुभकारी

ड्रॉइंग रूम के प्रवेश द्वार के कोने पर दाएं हाथ की ओर 6 छड़ वाली विंड चाइम लटकाना शुभकारी होता है। फेंगशुई के अनुसार ऐसा करने से परिवार में हमेशा खुशियां रहती हैं।

बेडरूम में रखें लव बर्ड्स

बेडरूम में लव बर्ड्स या बत्तख के जोड़ों के चित्र रखने से दंपति के संबंध मधुर बनते हैं। लॉफिंग बुद्धा की मूर्ति ड्राइंग रूम में ठीक सामने रखें,ताकि घर में प्रवेश करते ही आपकी नजर सबसे पहले उस मूर्ति पर पड़े।

लगाएं गोलाकार डाइनिंग टेबल

गोल आकार वाली डाइनिंग टेबल फेंगशुई में शुभ मानी जाती है। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि टेबल के साथ लगी कुर्सियों की संख्या कम होनी चाहिए।

होते हैं कुछ लोग जिन्हें लगता है कि जीवन में खुशी है ही नहीं। बेचैनी रहती है कि सब जल्दी से ठीक हो जाए, पर घबराहट में कुछ ऐसा कर बैठते हैं जो उन्हें खुशी से दूर ले जाता है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो जानें कौन सी बातें हैं जो दुख का कारण हो सकती हैं।

आदतें जो नहीं रहने देतीं खुश

समय व्यर्थ करना

घंटों टीवी देखने, वीडियो गेम्स खेलने, सोशल साइट्स खंगालते रहने में भले ही आपको उपलब्धि महसूस होती हो, पर इसमें समय भी नष्ट होता है। कौन दोस्त क्या पहन और खा रहा है ये देखते रहना, टीवी के सामने बैठे-बैठे खाना और फिर वहीं सो जाना, घंटों फोन पर चुगली व गॉसिप करते रहना आदि काम आपके जरूरी समय को बेकार में जाया कर देते हैं।

खराब का आकर्षण

सकारात्मक चीजों या बातों से भागना, सही पक्ष को देखने की कोशिश न करना। केवल कमियां देखना, गुण नहीं। हर सुझाव, सलाह और कार्य में खराबी देखना, अपने अभावों और बुरी बातों के लिए खुद को कोसते रहना। ऐसी बातों की लंबी लिस्ट है, जो आपको आगे बढ़ने से रोक देती है।

तुरंत आपा खोना

बार-बार क्रोध करने की आदत केवल दूसरों को नहीं आपको भी दुखी करती है। पर आप हैं कि उसे अपना हथियार मान लेते हैं। दूसरों की सुने बिना अपनी ही अपनी कहते रहते हैं। जो मन में आया बोल दिया। दूसरों की उपेक्षा और उन्हें नीचा दिखाने में जीत का अनुभव अंतत: आपको सबसे दूर कर देता है।

खुद को प्यार न करना

दूसरों में ही नहीं, खुद में भी बस कमियां ही कमियां देखना। शीशे में अपना चेहरा देखकर दुखी रहना। खुद पर विश्वास न करना। इतने ऊंचे मानक बना लेना कि काम को 100त्न सफलता न मिलने पर उसे अपनी हार मान लेना। याद रखें कि खुद को गलतियां करने की छूट न देना कुछ नया नहीं सीखने देता।

शिकायत करना

बीते समय में किसी ने आपके साथ क्या बुरा किया, खुद को उसे भूलने ना देना। दूसरे को माफ करने जैसी बातों के बारे में सोचना तक नहीं, हर बात को अपने ऊपर कटाक्ष मानकर दुखी होना, प्रतिशोध में जलते रहना।

अकेले रहना

कहीं आपका अहं आपको दूसरों से जुड़ने से रोक तो नहीं रहा! किसी से असहमति होने पर यदि आप उससे हमेशा के लिए छोड़ देते हैं तो यह अकेलेपन की ओर ही ले जाएगा। नए लोगों से न मिलना और कुछ नहीं अपने सपोर्ट सिस्टम को कम करना है।

जिम्मेदारी से भागना

दूसरों के सहारे अपने काम सिद्ध करना, झूठ बोलना, दूसरों को धोखा देना। केवल अपना फायदा ही सोचना। अपने जीवन की जिम्मेदारी न लेना।अपनी गलतियों से कोई सबक सीखने की कोशिश न करना। हर चीज से बस बचकर निकलना और इस बात का इंतजार करना कि कोई और आपको खुशी देगा, व्यर्थ की कल्पना है। अंत में, यदि आप वाकई दुखी होना नहीं चाहते तो ऊपर लिखी बातों से बचें, क्योंकि हम दो बातों से ही सीखते हैं-एक क्या और कैसे करना है और दूसरा क्या नहीं करना है।

कम उम्र में ऑनलाइन टर्म प्लान चुनने के लाभ

पहला वेतन या पहली आमदनी हमारे जीवन की चंद बेहद खूबसूरत स्मृतियों में से एक है। हम अपनी पहली कमाई से अपने निकट और प्रिय लोगों के लिए उपहार खरीदते हैं। लेकिन हमारी कमाई की शुरुआत अपने परिवार के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की शुरुआत का प्रतीक भी है। हम अपने सहेजे गए सपनों को साकार करने के लिए बचत या निवेश की योजना बनाना शुरू करते हैं, जैसे एक खूबसूरत अपना घर, या फिर छुट्टियां बिताने की प्लानिंग। इसी स्तर पर हमें एक ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति (जैसे कि मौत) को टालने और सोचने की जरूरत है जहां कमाई का यह स्रोत अचानक बंद हो जाता है? क्या हम अपने परिवार को ऐसी स्थिति में छोड़ना चाहेंगे, जहां उन्होंने न केवल हमें, बल्कि अपनी कमाई और आजीविका का स्रोत भी खो दिया हो? बचत कभी भी आकस्मिकता को कवर करने के लिए पर्याप्त नहीं होगी और जब आप कमाना शुरू करते हैं, ठीक तब से ही जीवन बीमा कवर होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

एक उदाहरण देखते हैं: 5000 रुपए की मासिक बचत 8 फीसदी ब्याज के साथ आपको 50 लाख रुपए के तौर पर वापस मिले, इसके लिए लगभग 25 साल लगेंगे, हालांकि दूसरी तरफएक टर्म कवर के लिए 5000 रुपए के सालाना प्रीमियम पर आप अगले 35 वर्षों के लिए तुरंत 50 लाख रुपए के बीमा के लिए कवर किए जाते हैं। सटीक प्रीमियम राशि में विभिन्न कंपनियों के बीच कुछ बदलाव हो सकता है, यह कुछ अन्य मापदंडों पर भी निर्भर करता है जैसे लिंग, धूम्रपान करने की स्थिति, स्वास्थ्य की स्थिति आदि। टर्म कवर की लागत, जिसे प्रीमियम भी कहा जाता है, उसमें आपकी उम्र के साथ वृद्धि भी होती है। छोटी उम्र में टर्म कवर हासिल करने की प्रक्रिया भी आसान है क्योंकि कम उम्र में बीमा कंपनियों द्वारा मेडिकल टेस्ट की आवश्यकता नहीं होती है। इसी क्रम में कुछ विशेषताओं, मापदंडों को जानना महत्वपूर्ण है, जो आपके निर्णय को अधिक सार्थक बना सकते हैं।

मुझे कितनी रकम का कवर खरीदना चाहिए? - एक आम नियम यह है कि बीमा की रकम आपकी वार्षिक आय की लगभग 10-15 गुना होनी चाहिए, क्योंकि बीमा राशि से आपकी नियमित आय को रिप्लेस करने की उम्मीद की जाती है।

आपका कवर कितने समय तक चलना चाहिए? - आपको अपने कामकाजी जीवन समय के बारे में सोचना चाहिए जो आम तौर पर 60 साल की उम्र तक पहुंचने तक होता है, इसलिए अगर कवर खरीदते समय आपकी उम्र 28 साल हो, तो आपका कवर 32 साल का होना चाहिए।

अतिरिक्त कवर - जीवन बीमाकर्ता कुछ ऑप्शंस/राइडर्स की अनुमति दे रहे हैं जिन्हें आप इस सुरक्षा को व्यापक बनाने के लिए सोच सकते हैं, उदाहरण के लिए क्रिटिकल इलनेस राइडर (जिसमें इस राइडर के तहत आने वाली किसी भी बड़ी बीमारी से पीड़ित होने पर दावा राशि का भुगतान किया जाता है), एक्सीडेंटल डेथ बेनिफिट (दुर्घटना के कारण मृत्यु होने पर अतिरिक्त लाभ का भुगतान किया जाता है) आदि। इन अतिरिक्त ऑप्शंस/ राइडर्स का लाभ उठाने के लिए आपको अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान करना पड़ सकता है। बीमा खरीदना बेहद सरल है और किसी भी अन्य खरीद की तरह इसे भी ऑनलाइन हासिल किया जा सकता है। जिन्हें आप कंपनी या उत्पाद को अंतिम रूप देने से पहले अपनी वेबसाइट या एग्रीगेटर्स की वेबसाइट पर जाकर आसानी से तुलना कर सकते हैं।

अभिजीत गुलानिकर, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस

भारत की महिलाएं अपने खुद के स्वास्थ्य को क्यों नहीं देतीं प्राथमिकता

18 वर्षीय बेटी आलिया कहती है, मुझे अपनी मां से सबसे ज्यादा प्यार है, वह निस्संदेह मुझे और मेरे भाई को हमेशा किसी और चीज से पहले रखती है। वह हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए अपने रास्ते से बाहर चली जाती हैं कि हमें कुछ भी समझौता करने की जरूरत नहीं है, भले ही इसका मतलब खुद को या उसकी जरूरतों को वापस लेना हो। जब बेंगलुरु की इस कामकाजी मां शालिनी को पहली बार एक साल पहले सीने में दर्द होने लगा, तो उसने तनाव को एक कारण माना। प्रारंभ में, दर्द कम घटनाओं में दुर्लभ था, लेकिन फिर यह अधिक से अधिक लगातार हो गया। मैंने तब इसे गंभीरता से नहीं लिया था। लेकिन एक दिन कार्यालय में, दर्द बढ़ गया और प्रतिकूल हो गया। उसके सहकर्मियों ने इन-हाउस डॉक्टर को बुलाया जिसने उसे उचित चिकित्सा हस्तक्षेप के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाने की सिफारिश की। अस्पताल में डॉक्टरों ने तत्काल निदान किया जिससे पता चला कि उसे दिल का दौरा पड़ रहा है। सौभाग्य से, इसने अस्पताल में तत्काल और त्वरित उपचार किया। आज, शालिनी परिवार के साथ एक स्वस्थ जीवन जीने के लिए वापस आ गई है। शालिनी कहती हैं, मेरा मानना है कि यह अहसास का पल था, जिसे मुझे सेहत का ज्यादा ख्याल रखना था। यह मेरे स्वास्थ्य और मेरे बच्चों के भविष्य में एक निवेश था। इसका एक सामान्य उदाहरण यह तथ्य है कि भले ही हर साल अधिक महिलाएं दिल की बीमारी से मरती हैं, बहुत कम महिलाओं को सभी स्टेंट, एंजियोप्लास्टी और बाईपास सर्जरी प्राप्त होती हैं।

आमतौर पर जीवन के सभी क्षेत्रों की महिलाएं हर समय मल्टीटास्क करती हैं। दुर्भाग्य से, वे अपने स्वास्थ्य के बारे में बहुत सतर्क नहीं हैं। महिलाएं गृहिणी के रूप में और कार्यबल में कर्मचारियों के रूप में परिवार की सहायता प्रणाली हैं। हाल ही में हुए एक सर्वेक्षण के अनुसार, कुल उत्तरदाताओं में से 16 फीसदी किसी भी परीक्षण के लिए नहीं गए जबकि 63 फीसदी केवल स्वास्थ्य जांच के लिए गए, यदि वे अस्वस्थ थे। यह भी पता चला कि केवल 39 फीसदी महिलाओं को किसी भी स्वास्थ्य कवर द्वारा कवर किया गया था। जिन लोगों का बीमा नहीं किया गया था, उनमें से 53 फीसदी ने कभी भी हेल्थ इंश्योरेंस खरीदने का विचार नहीं दिया। सर्वेक्षण ने यह भी संकेत दिया कि 80 फीसदी से अधिक पुरुषों और महिलाओं ने साक्षात्कार में माना कि ब्रेडविनर को मुख्य रूप से स्वास्थ्य और जीवन से संबंधित खतरों के खिलाफ बीमा किया जाना चाहिए।

इस तेज-तर्रार जीवनशैली में महिलाएं अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज करती हैं, जो कई स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देती है। कई महिलाएं कुपोषण, मोटापा, मधुमेह, एनीमिया, चयापचय संबंधी विकार, गठिया और दिल से संबंधित बीमारियों, कैंसर, गर्भकालीन मधुमेह, प्रजनन स्वास्थ्य, अवसाद आदि जैसी बीमारियों से जूझ रही हैं। ऐसा अनुमान है कि भारत में लगभग 20-40: मातृ मृत्यु दर है। मौतें एनीमिया के कारण होती हैं। आज, महिलाओं को अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की अधिक आवश्यकता है क्योंकि पूरा घर उसके चारों ओर घूमता है। महिलाओं के लिए जितना संभव हो सके स्वस्थ रहना महत्वपूर्ण है, चाहे वह अपने या अपने परिवार के लिए हो। सबसे पहले, एक महिला को खुद के लिए समय निकालना चाहिए। दूसरे, एक उचित संतुलित और मिश्रित आहार खाने पर जोर देना बहुत आवश्यक है। तीसरा, लेकिन कम से कम, उचित मात्रा में व्यायाम करना महत्वपूर्ण है।

अनुराधा श्रीराम, आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस

रोस्टेड ब्रोकली

सामग्री

- 250 ग्राम ब्रोकली
- काली मिर्च पाउडर
- 2 चम्मच भूनी हुई मूंगफली
- 2 चम्मच रिफाइन्ड तेल
- 1 लहसुन की कली
- 2 लाल मिर्च
- नमक स्वादानुसार

विधि

ब्रोकली के छोटे-छोटे फूल काट लें। उसमें अदरक और लाल मिर्च डाल दें। एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें कटा हुआ अदरक डालकर छौंक लगाएं। अब इसमें कटा हुआ ब्रोकली, लाल मिर्च डालें और नमक डाल दें। इसे तब तक फ्राई करें जब तक ब्रोकली हल्की पक न जाए। फ्लेम को हाई रखें ताकि ब्रोकली क्रंची बनी रहे। रोस्टेड मूंगफली को इसमें जालकर चलाएं और काली मिर्च मिला लें। इसे गर्मागर्म सर्व करें।

शिमला मिर्च थेपला

सामग्री

- 1 बड़ा कप आटा
- 1/2कप दही
- 1/4कप बारीक कटी लाल शिमला मिर्च
- 1/4 कप मैश किया पनीर
- 1 चम्मच बारीक कटा अदरक
- 1/4चम्मच बारीक कटी हरी मिर्च
- 1 बड़ा चम्मच कटी हरी धनिया पती
- नमक स्वादानुसार
- 1/2 चम्मच अनारदाना पाउडर
- तेल आवश्यकतानुसार।

विधि

आटे में एक चम्मच तेल व शेष सभी सामग्री मिला लें। आवश्यकतानुसार पानी डालते हुए नरम गूंथ लें। 10 मिनट के लिए ढंककर रख दें। अब तैयार आटे की पेड़ियां बनाएं। प्रत्येक पेड़ी को बेलकर थेपले का आकार दें। तवा गरम करें। थेपले को तवे पर डालकर चारों ओर तेल छोड़ते हुए धीमी से तेज आंच पर दोनों ओर से सेंकें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-5-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। शुभांक-3-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली · 5016

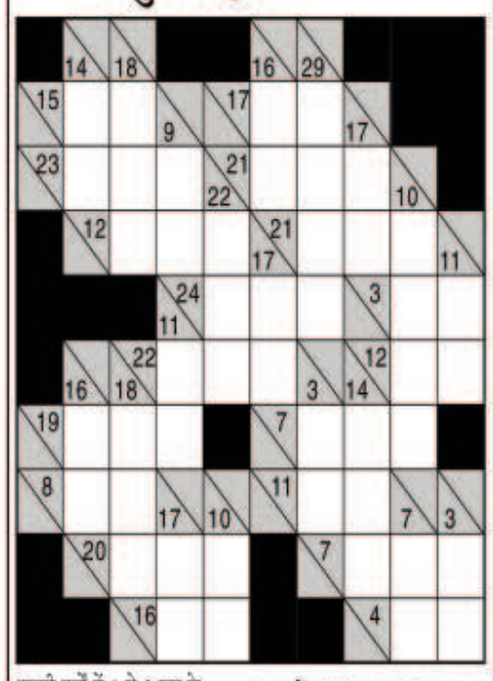

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर. नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

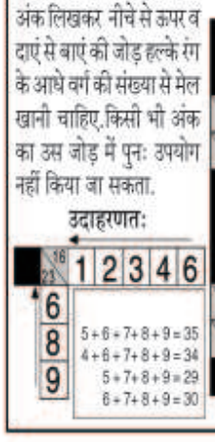

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो 5015 **का हल**

लॉफिंग ज़ोन

एक साधु बाजार में घूम रहा था। रास्ते में वह एक दुकानदार से बोला- बच्चा! साधु बाबा को कुछ दक्षिण दे दें। प्रभु की लीला हुई तो तेरी किस्मत पूरी तरह बदल जाएगी।

दुकानदार बोला- साधु बाबा, आप तो मुझे माफही करो। मुझे प्रभु की लीला नहीं चाहिए, पहले ही मैं अपनी एक लीला से परेशान हूं। दूसरी लीला का मैं क्या करूँगा।

□ □ □

एक नवविवाहित पति-पत्नी एक बहुत शानदार मकान में जीवन व्यतीत कर रहे थे। कुछ दिन बाद ही शहर में कुछ प्रसिद्ध कलाकारों का आगमन हुआ, उनके पास डाक से नाटक के दो टिकट आए।

टिकटों के साथ एक पर्चा था, जिस पर लिखा हुआ था- यह उपहार मैं भेज रहा हूँ। भेजने वाला बाद में आएगा।

पति-पत्नी खुश होकर नाटक देखने गए। जब आधी रात को घर लौटे तो देखा कि घर की सभी वस्तुओं का सफाया हो चुका था।

मेज पर कागज का एक पर्चा पड़ा था, जिस पर लिखा था- अब पता चला टिकट किसने भेजे थे?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली-5016

ऊपर से नीचे:-

१.'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस की फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. थी. आर. इश्राय निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी को 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिनी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता वाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली-5015

सूडोकु 5016

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 5015 **हल**

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली - 5016

बाएँ से दाएँ

1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्ग-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरूरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे

1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली -5015 **का हल**

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं?

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं? या अपने पुराने आशियाने को ही नई रंगत देकर नया लुक देना चाहते हैं? यदि हां, तो आपकी घर की दीवारों को पेंट करवाने से पहले ये जरूर जान लीजिए कि किन रंगों से महकेगा आपका आशियाना। घर की साज-सज्जा एवं रंग-रोगन के लिए दिशा के अनुसार चुनें इन 5 समृद्धिदायक रंगों को, और पाएं वर्ष भर खुशहाली व सुख-समृद्धि। जानें कैसे करें रंगों का चुनाव...

हिन्दू धर्म के सबसे बड़े त्योहार दीपावली के लिए कई दिन पहले से घर में साफ-सफाई और रंग-रोगन का दौर शुरू हो जाता है। घर में सुख शांति और प्रसन्नता का वातावरण बना रहे इसलिए कई लोग घर की साज-सज्जा व रंगाई के लिए वास्तु और फेंगशुई के टिप्स भी आजमाते हैं।

- घर का बैठक कक्ष सबसे अहम होता है, इसलिए यहां की दीवारों पर विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत होती है। यहां पर भूरा, गुलाबी, सफेद या क्रीम कलर सबसे अच्छा माना जाता है। यहां पर इन रंगों के परदे या तकिए कवर का इस्तेमाल भी शुभ फल देता है।
- भोजन कक्ष को रंगवाते समय आसमानी, हल्का हरा व गुलाबी रंग करवा सकते हैं। इससे हमेशा ऊर्जा व ताजगी का संचार होता है और सकारात्मकता बनी रहती है।
- रसोई घर में सफेद रंग हमेशा अच्छा माना जाता है। हांलाकि यह गंदा भी बहुत जल्दी होता है, लेकिन अगर आप नियमित तौर पर सफाई बनाएं रखें तो यह बहुत ही सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है।
- बाथरूम या शौचालय के लिए हल्का गुलाबी या फिर सफेद रंग ही सबसे बेहतर होते हैं। खास तौर से बाथरूम में गुलाबी रंग का प्रयोग ताजगी बनाए रखता है और आप आंतरिक खुशी महसूस करते हैं।
- शयन कक्ष भी काफी महत्वपूर्ण होता है, यहां पर भी आप हल्का हरा, आसमानी, गुलाबी जैसे रंगों को इस्तेमाल कर सकते हैं, जिन्हें देखकर मन हमेशा प्रसन्न रहे। इससे आपके रिश्तों में भी मधुरता आती है।
- पीला रंग सुकून व रोशनी देने वाला रंग होता है। घर के ड्राइंग रूम, ऑफिस आदि की दीवारों पर यदि आप पीला रंग करवाते हैं तो वास्तु के अनुसार यह शुभ होता है।
- अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए आपको अपने कमरे की उत्तरी दीवार पर हरा रंग करना चाहिए।
- आसमानी रंग जल तत्व को इंगित करता है। घर की उत्तरी दीवार को इस रंग से रंगवाना चाहिए।
- घर के खिड़की दरवाजे हमेशा गहरे रंगों से रंगवाएं। बेहतर होगा कि आप इन्हें डार्क ब्राउन रंग से रंगवाएं।
- जहां तक संभव हो सके घर को रंगवाने हेतु हमेशा हल्के रंगों का प्रयोग करें।

क्या है बच्चों की मालिश का परफेक्ट तरीका

कोरोनाकाल में घर से लेकर ऑफिस तक के काम का दबाव बढ़ गया है। ऐसे में रात में बच्चों को सुलाने में मशक्कत करनी पड़े तो मन में खीज पैदा होना लाजिमी है। अगर काफी देर तक घुमाने-टहलाने और लोरी सुनाने के बाद भी आपके लाडले की आंखों में नींद नहीं भरती तो परेशान मत होइए। लंदन के मशहूर मसाज विशेषज्ञ ने मालिश की ऐसी विधि सुझाई है, जिससे आपका बच्चा मिनटों में नींद के आगोश में चला जाएगा।

मां-बाप की मशक्कत

- मां-बाप को बच्चे के जन्म के शुरुआती एक साल में 04 घंटे 44 मिनट की औसत नींद मिलती है
- 50 रातों की नींद गंवाने के बराबर है यह आंकड़ा, स्वस्थ वयस्कों को आठ घंटे रोजाना सोना चाहिए
- 54 मिनट औसतन रोजाना बच्चे को सुलाने में लगते हैं, तीन बार औसतन रात में उठता है बच्चा
- 02 मील रोजाना चलना-फिरना होता है मां-बाप का बच्चे को बहलाने, फुसलाने, सुलाने की प्रक्रिया में।

पूरे शरीर में लगाएं तेल

- सरसों, नारियल या जैतून का तेल लें, सिर से लेकर पांव तक हल्के हाथों से हर एक अंग में लगाएं
- अब ऊपर से नीचे की तरफ धीमी गति से हाथ फिराते हुए 10 से 15 मिनट तक बच्चे की मालिश करें

बातों में उलझाए रखें

- साज करते समय चेहरे पर मुस्कराहट जरूर बनाए रखें
- बच्चे से धीमे स्वर और तुतलाती भाषा में प्यार-भरी बातें करें
- तेज मालिश करने से बचें, बच्चा रोए तो उस पर चिल्लाएं नहीं

खास जगहों पर मसाज जरूरी

- नाक का ऊपरी हिस्सा - दोनों भौहों के बीच नाक के शुरुआती हिस्से पर अंगूठे और तर्जनी उंगली से हल्की मालिश करें। बच्चे का मन शांत करने में मदद मिलती है।
- हथेली - दोनों हथेलियों पर धीमे-धीमे से हाथ फिराएं। पांचों उंगलियों के बीच के स्थान पर कम से कम 30 सेकेंड तक हल्की मसाज दें। दांत दर्द की समस्या दूर होगी।
- पेट - दर्द, गैस, कब्ज की समस्या से राहत दिलाने और पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए पेट पर बाई से दाईं ओर गोलाई में हल्के हाथ से पांच मिनट तक मसाज करें।
- पंजे - अंत में बच्चे के दोनों पैरों के पंजे अपने हाथों में लें। अब पंजे के बीच के हिस्से को अंगुठे से 10 से 15 सेकेंड के लिए दबाएं। उसका मस्तिष्क पूरी तरह से शांत हो जाएगा।

मन शांत करने में मददगार

- हल्के हाथों की मालिश लव हार्मोन 'ऑक्सिटोसिन' का स्तर बढ़ाने के साथ ही स्ट्रेस हार्मोन 'कॉर्टिसोल' का उत्पादन घटाने में कारगर
- इससे बच्चे के मस्तिष्क में मौजूद अतिरिक्त ऊर्जा के शांत पड़ने से तन-मन को सुकून महसूस होता है, शरीर में सुस्ती भी छाती है

गुनगुना दूध पिलाना भी फायदेमंद

- सोने-जगने का समय तय करें, उसे रोज अमल में भी लाएं
- रात में बिस्तर पर आने के बाद बच्चे को गुनगुना दूध पिलाएं
- कमरा हल्का ठंडा रखें, मुलायम गद्दे पर सुलाएं, लोरी सुनाएं

...तो रिश्ता हो जाएगा मजबूत

दुनिया में रिश्ते के बिना प्यार का अहसास ही नहीं हो सकता। रिश्ता चाहे कोई भी हो खास होता है। इसे निभाने के लिए शुरुआत भी अलग तरीके की होना चाहिए। फिर चाहे वो दोस्ती हो या फिर रिश्तेदारी।

खुशियों का अहसास अपनो से ही होता है। इसे हमेशा के लिए गहरा करने के लिए कुछ खास बातों की तरफ ध्यान देना बहुत जरूरी है ताकि आने वाला हर पल हसीन रहे। अगर किसी कारण रिश्तों में गलतफहमियां आ भी जाए तो एक दूसरे पर यकीन इतना गहरा हो कि कोई दूसरा आपमें अपनी जगह बना न सके। लेकिन इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है ताकि प्यार से संजो कर रखा गया यह रिश्ता जिंदगी की जरूरत बन जाए।

एक दूसरे को जानना जरूरी

आप किसी से प्यार करते हैं तो इसके लिए एक बात को जान लेना बहुत जरूरी है आपको उसकी आदतों के बारे में जानना होगा। इससे आप खुद को और अपने बढ़ते रिलेशनशिप को कुछ समय दे पाएंगे। जो भविष्य में आपके लिए परेशानी नहीं बनेगा।

रिलेशनशिप से बनें पहचान

दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए कुछ बातों को समझना बहुत जरूरी है। जैसे दोस्ती इस तरह की हो जो आपकी पहचान बनें। इस बात का ध्यान रखें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि आप दोस्ती में खोते जा रहे हैं। यह बदलाव आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

कभी शक भी जायज

जहां यकीन है वहां शक होना भी कभी कभी जायज होता है। पार्टनर पर जरूरत से भी ज्यादा यकीन कर लेने से भी कई बार रिश्ता खराब होने का डर रहता है। थोड़ा बहुत शक करना या फिर पजेसिव होने से पार्टनर को भी पता चलता है कि आप उनके लिए कितने जरूरी हैं।

एक-दूसरे को दें वक्त

एक-दूसरे के साथ समय बिता कर उसके बारे में बहुत कुछ जानने को मिलता है। कई बार ज्यादा देर तक बनाई गई दूरी भी रिश्ते में खट्टास पैदा कर सकती है। ऐसे में समय की कमी के कारण अगर पार्टनर के साथ नराजगी है तो एक-दूसरे को समय जरूर दें। कहीं न कहीं आपके रिश्ते में मजबूती आनी शुरू हो जाएगी। कोशिश करें एक- दूसरे के साथ समय बिताएं।

बढ़ते बचपन के साथ व्यावहारिक समझ विकसित करती हैं बेटियां

बेटियां कैसे अपने बढ़ते बचपन के साथ-साथ घर की जिम्मेदारियों और व्यावहारिक समझ को विकसित करती हैं, इसका प्रत्यक्ष उदाहण है एक पिता के द्वारा लिखा गया ये लेख।

सिर्फ ग्यारह साल की है मेरी बिटिया। पांचवी में पढ़ती है। यूनिटरी फैमिली में एक बच्चे को क्या-क्या झेलना पड़ता है, इसका ज्वलंत उदाहरण है वह। मैं और मेरी पत्नी दोनों ही कामकाजी हैं। हमने खुद से जद्दोजहद करते, बिना किसी के सपोर्ट के जीवन जीना सीखा है और परिवार के बुजुर्गों की परवरिश से दूर मेरी बेटी ने भी खुद ही सबकुछ सीख लिया। जब वह डेढ़ साल की थी, तभी से मछली का कांटा निकाल कर खुद खाती थी। हम कामकाज में व्यस्त रहते और वह कांटा निकालने की तरकीब ढूंढ़ती रहती। यह उसने अंतत: सीख ही लिया। किसी दिन उसकी मां को एक्जाम ड्यूटी के लिए रविवार के दिन सुबह आठ बजे ही निकलना होता। कभी-कभी मुझे भी कालेज में कक्षाएं लेने पत्नी के साथ ही आठ बजे निकलना होता है। उस वक्त बेटी की आंखों में यह सवाल होता है कि तुम दोनों शाम तक लौटोगे, तो मैं दिनभर क्या करूंगी, अकेली कैसे रहूंगी। पर वह बोलती कुछ नहीं। उसकी आंखों में हठात एक सूनापन सा आता है और आकर चला जाता है। वह तपाक से कहती है। तुमलोग जाओ। दरवाजे में बाहर से ताला लगा देना। मैं अंदर से कुंडी बंद कर दूंगी और टीवी देखती रहूंगी। ऐसा कई बार हुआ है कि हम दोनों आठ-दस घंटे बाहर होते हैं और बेटी ने दिनभर टीवी देखते हुए, बाहर से ताला लगे बंद कमरे में खुद को अकेली बिताया है। जाते वक्त हम उसका खाना, बिस्किट वगैरह रख देते हैं। हिदायत देते हैं- बेटा आग के पास मत जाना, गैस मत खोलना। बिजली कट जाये, तो बिजली आने का इंतजार करना-माचिस मत जलाना। बेटी ठीक वैसा ही करती है। आज तक उसने वैसा ही किया है। यह सिलसिला पिछले चार-पांच सालों से चल रहा है। जब वह पांच-छह साल की थी, तब से। हम दिनभर अपने काम के साथ बेटी की चिंताओं में घुलते रहते हैं कि पता नहीं वह कैसी होगी। शाम को जब दरवाजे का ताला आकर खोलते हैं, तो कभी वह अपना होमवर्क कर रही होती है। उसने घर के अंदर, बंद ताले में खुद को सेफ रखने के लिए सभी उपाय सीख लिए हैं। जैसे ही वह बाहर कोई आहट सुनती है, टीवी धीमा कर देती है। कोई आवाज नहीं निकालती। वह धीरे-धीरे बड़ी हो रही है। फिजिकली। मेंटली वह समय से पहले ही बड़ी हो गयी है। यह सब उसे कुछ हमने सिखाया है, तो कुछ परिस्थितियों ने। अपनी कई मुश्किलें वह अपनी मां के साथ शेयर करती है, तो लगता है कि इसने अपना बचपना थोड़ा खोया, थोड़ा झटका है। महज ग्यारह साल की उम्र में उसे परिस्थितियों ने परिपक्व बना दिया है। पर, वह अकेली बिटिया है। उसे जीना इसी समाज में है।

वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों को इस तरह से करें टिमअप और रखें वॉर्डरोब को अपडेट

हमसे से अधिकतर लोग ऐसे हैं, जो समय की कमी के कारण अपने वॉर्डरोब पर ध्यान नहीं दें पाते। जिसके कारण वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों का ढ़ेर लग जाता है। वक्त है, कोरोना काल का जिसमें सोशल डिस्टेंसिग का हम सभी पालन कर रहे है। जिस वजह से हम अपना ज्यादातर समय घर पर ही बिता रहे है। तो क्यों न इस समय का सही इस्तेमाल करते हुए अपने वॉर्डरोब को अपडेट किया जाएं। आइए जानते कुछ टिप्स-

- डार्क कलर के 1-2 पैंट्स अगर आपके वॉर्डरोब में हैं, तो नए लुक के लिए कुछ कलरफुल शॉर्ट कुर्ते खरीदें। कलमकारी, इकत या लखनवी चिकन के शॉर्ट कुर्ते अच्छे लगते है। साथ ही रूटीन में पहनें जानेवाले टॉप और पैंट स्टाइल को भी ब्रेक मिलता है।
- प्लेन टाइट टीशर्ट यदि आपके वॉर्डरोब में है तो इसको आप कलरफुल धोती पैंट के साथ आप टीमअप कर सकते है।
- यदि वॉर्डरोब में पुरानी प्रिंटेड सलवारों ने काफी जगह घेर रखी है, तो इनके उपर पहनने के लिए 1 से 2 कुर्ती खरीदें।
- यदि पेन्सिल जींस आपके पास हैंतो 1 से 2 फ्लोरल लॉन्ग लाइन शर्ट खरीदें।
- पुराने शॉर्टर्स अलनारी में है तो फिल नेक ब्लाउज टॉप या कॉन्ट्रास्ट बाइजिंग नॉट टॉप खरीदें। नया टॉप पहनने पर पुराने शॉर्टर्स भी नए लुक में नजर आते है।
- अगर आपके पास कलरफुल लॉन्ग स्कर्ट है, तो उसके साथ शॉर्ट कुर्ती, टीशर्ट या लॉन्ग कुर्ते भी पहने जा सकते है।
- ए लाइन फुल लेंथ स्कर्ट पहले से है, तो उसके साथ लॉन्ग कुर्ते पहनें, हील्स पहनें। इससे हाइट अच्छी दिखगी।
- शॉर्ट स्कर्ट के साथ जैगिंग्स पहनना ट्रेंडी लुक देगा। साथ में एक्सेसरी के तौर पर स्कार्फ भी लें।

वॉर्डरोब में इन बातों का रखें ख्याल

- पैंट, जींस के लिए मल्टीपर्पस 5 लेअर हैंगर का इस्तेमाल करें। यह वॉर्डरोब की जगब को कम घेरेगा और वॉर्डरोब संवरा दिखेगा।
- सॉक्स और अंडरगारमेंट्स आर्गेनाइजर भी वॉर्डरोब को वलीन लुक देते हैं। इसमें ब्रा का ळभी सेवशन होना चाहिए। सिंगल पैडेड ब्रा, स्पोस्टर्स, ब्रा, टीशर्ट ब्रा, रेगलुर यूज के लिए 5 से 6 अलग-अलग ब्रा रखें। आयरन की हुई शर्ट या कुर्ते हैंगर में लटकाने से अगर जगह ज्यादा घिरती है, तो उसके लिए शर्ट ऑर्गनाइजर अच्छा रहेगा।
- होम स्ट्रेप हैगिंग ज्वेलरी ऑर्गेनाइजर वॉर्डरोब के अंदर की ओर किसी हुक पर लगाएं। इस पर अपनी चंकी ज्वेलरी, ब्रेसलेट, नेक पीस जैसी चीजें टांग सकती हैं, जिससे जरूरत के समय सामने नजर आए।

बीसीसीआई: रोहित शर्मा के भविष्य पर मचे घमासान पर नाराज, चयनकर्ताओं को दिया साफ संदेश

नई दिल्ली.(एजें) १९ जुलाई : भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के वनडे भविष्य को लेकर पिछले कुछ दिनों से चल रही अटकलों के बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बडा कदम उठाया है. मीडिया में रोहित के संभावित संन्यास और टीम में उनकी जगह को लेकर आई खबरों के बाद बोर्ड नाराज बताया जा रहा है. रिपोर्ट्स के अनुसार, बीसीसीआई ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति को स्पष्ट संदेश दिया है कि खिलाडि?ों के भविष्य से जुडी गोपनीय चर्चाएं मीडिया तक नहीं पहुंचनी चाहिए.

हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि चयनकर्ताओं ने रोहित शर्मा को संकेत दे दिया है कि इंग्लैंड दौरे के बाद वह वनडे टीम की भविष्य की योजनाओं का हिस्सा नहीं होंगे. इसके बाद यह अटकलें तेज हो गई थीं कि लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला हो सकता है. हालांकि, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इन दावों को आधिकारिक तौर पर खारिज कर दिया.एक की रिपोर्ट के मुताबिक, बोर्ड इस बात से नाराज है कि चयनकर्ताओं और रोहित शर्मा के बीच हुई निजी बातचीत मीडिया तक पहुंच गई. बीसीसीआई ने चयन समिति को सख्त हिदायत दी है कि भविष्य में इस तरह के संवेदनशील मामलों से जुडी कोई भी जानकारी सार्वजनिक न की जाए. रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि रोहित के भविष्य को लेकर चयनकर्ताओं के साथ लंबे समय से चर्चा चल रही है और इस प्रक्रिया की जानकारी मुख्य कोच गौतम गंभीर को भी थी.रिपोर्ट के अनुसार, रोहित शर्मा फिलहाल संन्यास लेने के इच्छुक नहीं हैं. उन्होंने बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने २०२७ वनडे विश्व कप खेलने की अपनी इच्छा भी कई बार जाहिर की है. हालांकि, अलग-अलग सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में दो तरह के दावे किए गए हैं. एक पक्ष का कहना है कि रोहित किसी भी स्थिति में अभी संन्यास नहीं लेना चाहते, जबकि दूसरे पक्ष का दावा है कि चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट के रवैये से वह निराश हैं और भविष्य को लेकर बडा फैसला ले सकते हैं.

इससे पहले आई एक अन्य रिपोर्ट में दावा किया गया था कि चयनकर्ताओं ने रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल दोनों से भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की थी. बताया गया कि चयन समिति सीमित ओवरों के क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल को लगातार अवसर देने के पक्ष में है. चयनकर्ताओं का मानना है कि युवा बल्लेबाज ने मिले सीमित मौकों में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है और अब वह लंबी अवधि तक टीम में मौके पाने के हकदार हैं.

भाजपा जिला कार्यालय में हुआ भव्य स्वागत, बराक घाटी के विकास जैसे मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने का दिया भरोसा

प्रे.सं.शिलचर, १९ जुलाई। तृणमूल कांग्रेस छोडक़र भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने तथा पश्चिम बंगाल से राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने के बाद सुष्मिता देव शनिवार को पहली बार अपने गृह शहर शिलचर पहुंचीं। शहर पहुंचते ही भाजपा के जिला कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा के जिला एवं राज्य स्तर के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए सुष्मिता देव ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस छोडते समय उनके सामने कोई व्यक्तिगत शर्त या अपेक्षा नहीं थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन पर विश्वास जताते हुए उन्हें राज्यसभा सदस्य के रूप में कार्य करने का अवसर दिया, जो उनके लिए गर्व और सौभाग्य की बात है।उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है और जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसकी पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगी।अपने भविष्य की प्राथमिकताओं पर बात करते हुए सुष्मिता देव ने कहा कि उनकी जिम्मेदारी केवल पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं रहेगी। असम, विशेषकर बराक घाटी के विकास, लोगों के हितों की रक्षा और विभिन्न जनहित के मुद्दों को लेकर भी वह सक्रिय रूप से कार्य करेंगी। उन्होंने बराक घाटी के लोगों के साथ मजबूती से खडे.रहने का अपना संकल्प भी दोहराया।पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी का विश्वास और आम जनता का भरोसा ही उनके आगामी कार्यों की सबसे बडी ताकत है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्यसभा सांसद के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगी।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान शिलचर में भोराखाई चाय बागान के आवागमन मार्ग पर फिर विवाद, गेट लगाए जाने के विरोध में हजारों ग्रामीणों का प्रदर्शन

शिव कुमार शिलचर, १९ जुलाई: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) शिलचर के परिसर से होकर गुजरने वाले भोराखाई चाय बागान के लोगों के वर्षों पुराने आवागमन मार्ग को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। शनिवार सुबह हजारों की संख्या में ग्रामीण संस्थान के तीसरे गेट के समीप एकत्र हुए और विरोध प्रदर्शन करते हुए उस गेट को हटा दिया, जिसे ग्रामीणों के अनुसार बिना किसी पूर्व सूचना के मार्ग पर लगा दिया गया था।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस भूमि पर पहले रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज (आरईसी) की स्थापना हुई थी और बाद में उसका विस्तार होकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) शिलचर बना, उसी समय से भोराखाई चाय बागान के लोगों का आवागमन संस्थान परिसर के भीतर से बने इस रास्ते से होता रहा है। ग्रामीणों के अनुसार दशकों से यही मार्ग उनके दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा रहा है। इसी रास्ते से लोग अपने कार्यस्थलों, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, बाजार और अन्य आवश्यक स्थानों तक पहुंचते रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों पहले भी इसी मार्ग पर गेट लगाकर आवागमन रोकने का प्रयास किया गया था। उस समय पूरे क्षेत्र के लोगों ने इसका जोरदार विरोध किया था और बडी संख्या में एकत्र होकर लगाए गए गेट को हटा दिया था। मामला तत्कालीन जिला प्रशासन के संज्ञान में पहुंचने के बाद जिलाधिकारी की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच बैठक हुई थी।स्थानीय लोगों के अनुसार उस बैठक में यह सहमति बनी थी कि भोरिखाई चाय बागान के लोगों का आवागमन पूर्व की तरह संस्थान परिसर के भीतर से जारी रहेगा। साथ ही यह भी तय किया गया था कि यदि किसी विशेष परिस्थिति या सुरक्षा कारणों से कभी गेट बंद करना आवश्यक हो, तो उससे पहले स्थानीय ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी जाएगी, ताकि किसी प्रकार की असुविधा या विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो।ग्रामीणों का आरोप है कि इस बार उस समझौते का पालन नहीं किया गया। उनका कहना है कि बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक मार्ग पर गेट लगा दिया गया, जिससे लोगों में भारी नाराजगी फैल गई। जैसे ही इसकी जानकारी आसपास के लोगों को मिली, बडी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते हजारों लोगों की भीड. जमा हो गई और लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए गेट को हटा दिया।प्रदर्शन में शामिल ग्रामीणों ने कहा कि यह रास्ता केवल एक मार्ग नहीं, बल्कि भोराखाई चाय बागान के हजारों लोगों के दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनका कहना है कि वर्षों से उपयोग में आ रहे इस रास्ते को बंद किए जाने से विद्यार्थियों, बुजुर्गों, मरीजों, श्रमिकों और आम नागरिकों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पडेगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि पूर्व में हुए समझौते का सम्मान किया जाए और लोगों के पारंपरिक आवागमन के अधिकार को बरकरार रखा जाए। घटना के दौरान कुछ समय के लिए क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। बडी संख्या में लोगों की मौजूदगी के कारण माहौल गर्म हो गया, हालांकि बाद में स्थिति सामान्य हो गई। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि वे चाहते हैं कि इस विवाद का स्थायी समाधान आपसी संवाद और प्रशासन की पहल से निकाला जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो।

हालांकि, इस पूरे मामले में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान शिलचर का आधिकारिक पक्ष समाचार लिखे जाने तक प्राप्त नहीं हो सका है। संस्थान और जिला प्रशासन का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

हरिहरात्मक महायज्ञ की तैयारी को लेकर हुई बैठक, भव्य,दिव्य एवं ऐतिहासिक स्वरूप देने पर हुई चर्चा

गडव़ार(बलिया) १९ जुलाई : श्री जंगली बाबा धाम,गडव़ार में रविवार को संत शिरोमणि श्री जंगली बाबा के निर्वाण शताब्दी वर्ष के अवसर पर आगामी २८ अक्टूबर से ७ नवम्बर तक आयोजित होने वाले हरिहरात्मक महायज्ञ की तैयारियों को लेकर एक वृहद बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में महायज्ञ को भव्य,दिव्य एवं ऐतिहासिक स्वरूप देने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए रामभद्र बालक बाबा ने कहा कि यज्ञ भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा,आस्था और सच्चे मन से यज्ञ में भाग लेने से मानव जीवन में सुख,शांति और समृद्धि का संचार होता है। बैठक के दौरान श्री जंगली बाबा धाम सेवा ट्रस्ट के प्रबंधक आचार्य पं.राहुल उपाध्याय ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को यजमान बनाने तथा आयोजन की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर विचार विमर्श किया। वहीं उपस्थित लोगों से महायज्ञ में बढ-चढक़र सहभागिता करने की अपील भी की गई। बैठक में धनंजय उपाध्याय, स्वाधीन गुप्ता, राजेश मिश्रा,मदनलाल श्रीवास्तव,शैलेष पाण्डेय,सुधीर सिंह,दीपक सिंह आदि सैकडों लोग उपस्थित रहे।

कानपुर-गुवाहाटी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के आठ अतिरिक्त फेरे, यात्रियों को मिलेगी राहत

गुवाहाटी, १९ जुलाई (हि.स.)। यात्रा सीजन के दौरान यात्रियों की बढती संख्या को देखते हुए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूर्सीर) ने ट्रेन संख्या ०४१२७/०४१२८ कानपुर सेंट्रल-गुवाहाटी-कानपुर सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल के अतिरिक्त फेरों का विस्तार करने का निर्णय लिया है। रेलवे का उद्देश्य अतिरिक्त भीड.को कम करना और यात्रियों को अधिक सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराना है। यह स्पेशल ट्रेन अपने वर्तमान समय, मार्ग और निर्धारित ठहराव के अनुसार ही संचालित होगी।पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) कपिंजल किशोर शर्मा ने शनिवार को बताया कि ट्रेन संख्या ०४१२७ (कानपुर सेंट्रल-गुवाहाटी) साप्ताहिक स्पेशल की अतिरिक्त सेवाएं १६ जुलाई से शुरू हो चुकी हैं। यह ट्रेन ३ सितंबर तक प्रत्येक गुरुवार को सुबह ८:०० बजे कानपुर सेंट्रल से प्रस्थान करेगी।इसी प्रकार ट्रेन संख्या ०४१२८ (गुवाहाटी-कानपुर सेंट्रल) साप्ताहिक स्पेशल की अतिरिक्त सेवाएं १७ जुलाई से शुरू की गई हैं। यह ट्रेन ४ सितंबर तक प्रत्येक शुक्रवार को रात १०:०० बजे (२२:०० बजे) गुवाहाटी से रवाना होगी। रेलवे के अनुसार, दोनों दिशाओं में यह स्पेशल ट्रेन अपने प्रारंभिक स्टेशनों से आठ-आठ अतिरिक्त फेरे लगाएगी।रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इन अतिरिक्त फेरों के संचालन से विशेष रूप से असम, पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। यात्रा के व्यस्त मौसम में सीटों की उपलब्धता बढने के साथ-साथ यात्रियों पर नियमित ट्रेनों का दबाव भी कम होगा।सीपीआरओ ने बताया कि स्पेशल ट्रेन अपने मौजूदा मार्ग और निर्धारित स्टेशनों पर पूर्व निर्धारित समय के अनुसार ही ठहरेगी। इससे पहले से यात्रा की योजना बना चुके यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी और उन्हें नियमित समय-सारणी के अनुरूप यात्रा करने का अवसर मिलेगा।रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा शुरू करने से पहले नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम (एनटीईएस) अथवा रेलवे के अन्य आधिकारिक सूचना माध्यमों से ट्रेन की समय-सारणी, मार्ग, ठहराव और परिचालन की अद्यतन जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने कहा कि यात्रियों की बढती यात्रा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर अतिरिक्त रेल सेवाएं संचालित की जा रही हैं। भविष्य में भी मांग के अनुरूप विशेष ट्रेनों और अतिरिक्त फेरों का संचालन जारी रखा जाएगा, ताकि यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराई जा सके।--

दवा विकास में सांख्यिकीविदों की भूमिका महत्वपूर्ण : देवश्री पुरकायस्थ

प्रे.सं.शिलचर, १९ जुलाई : गुरुचरण विश्वविद्यालय के स्किल डेवलपमेंट सेंटर के तत्वावधान में तथा विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ के सहयोग से शनिवार को विश्वविद्यालय के सभागार में "Drug Development में Statisticians की भूमिका' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गुरुचरण कॉलेज की पूर्व छात्रा एवं यूनाइटेड किंगडम स्थित AstraZeneca की Associate Director, Statistical Science देवश्री पुरकायस्थ उपस्थित थीं। सम्मानित अतिथि के रूप में DRDO के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. देवाशीष देव मौजूद रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक रजिस्ट्रार डॉ. अभिजीत नाथ, स्किल डेवलपमेंट सेंटर के समन्वयक डॉ. सुभाष देवनाथ, करियर डेवलपमेंट सेल के निदेशक जयदीप भट्टाचार्य सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।कार्यक्रम का स्वागत भाषण डॉ. सुभाष देवनाथ ने दिया। अपने व्याख्यान में देवश्री पुरकायस्थ ने दवा विकास की प्रक्रिया में सांख्यिकीविदों की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने दवा विकास के विभिन्न चरणों, शोध के दौरान एकत्र किए गए आंकडों को वैज्ञानिक प्रमाण में बदलने की प्रक्रिया, सांख्यिकीविदों की जिम्मेदारियों तथा दवाओं की प्रभावकारिता और सुरक्षा से संबंधित आंकडों के विश्लेषण एवं रिपोर्ट तैयार करने के महत्व को समझाया।उन्होंने कहा कि नई दवाओं की प्रभावकारिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्लिनिकल रिसर्च के प्रत्येक चरण में सांख्यिकीविदों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर रोजगार के अवसर भी लगातार बढ.रहे हैं।व्याख्यान के बाद विद्यार्थियों के साथ प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें दवा विकास, बायोस्टैटिस्टिक्स तथा संबंधित पेशेवर संभावनाओं से जुडे.विभिन्न सवालों के जवाब दिए गए।सम्मानित अतिथि डॉ. देवाशीष देव ने कहा कि भारत में आज रोजगार के पर्याप्त अवसर मौजूद हैं, लेकिन गुणवत्तापूर्ण और कुशल उम्मीदवारों की कमी एक बडी चुनौती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने-अपने विषयों का गहन अध्ययन करने और सीखने के प्रति रुचि विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में विद्यार्थियों को केवल नौकरी की तलाश करने वाले नहीं, बल्कि अपने स्वयं के उद्यम और रोजगार के अवसर पैदा करने वाले बनने की दिशा में भी आगे बढ़ना चाहिए।धन्यवाद ज्ञापन गण संज्ञापन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संदीपा दास शील ने प्रस्तुत किया। पूरे कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका श्रेष्ठा कर ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कलाकार अपनी कला-सृष्टि में सदैव जीवित रहते हैं : शंकर शील को भावभीनी श्रद्धांजलि

उधारबंद, १९ जुलाई। कलाकार अपनी कला-सृष्टि के माध्यम से सदैव जीवित रहते हैं। दिवंगत नॉर्थ ईस्ट न्यूज़.के समाचार वाचक, कुशल संचालक तथा सामाजिक-सांस्कृतिक व्यक्तित्व शंकर शील की स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह ने इस बात को चरितार्थ कर दिया।शनिवार को सिलचर के गोल दिघी मॉल में शंकर शील की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम का संचालन बिप्लब दे ने किया। उन्होंने गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर की प्रसिद्ध पंक्तियों ङ्कमरने को नहीं चाहता मैं इस सुंदर संसार में, मानवों के बीच मैं फिर-फिर जीना चाहता हूंङ्क का पाठ करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद उपस्थित लोगों ने एक मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी और उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में संगीत कलाकार संजीव दास ने भावपूर्ण प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि शंकर शील ने कार्यक्रम संचालन की बारीकियां उन्हें व्यावहारिक रूप से सिखाई थीं और दर्शकों-श्रोताओं का मन जीतने के तरीके भी बताए थे। शंकर शील से अपनी पहली मुलाकात का स्मरण करते हुए वे भावुक हो गए और अश्रुपूर्ण नेत्रों से संगीत प्रस्तुत किया।इसके बाद नॉर्थ ईस्ट न्यूज़.के मुख्य संपादक मणिभूषण चौधरी ने शंकर शील को याद करते हुए कहा कि उन्होंने नॉर्थ ईस्ट न्यूज़.की जिम्मेदारी अपने कंधों पर पूरी निष्ठा से संभाली थी। समाचार वाचकों के बीच जिम्मेदारियों के बंटवारे से लेकर विभिन्न कार्यों तक वे परिवार के सदस्य और छोटे भाई की तरह सबको साथ लेकर चलते थे। उनके असमय निधन से उत्पन्न शून्य की भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए कहा कि शंकर शील के परिवार के साथ नॉर्थ ईस्ट न्यूज़.परिवार का आत्मीय संबंध सदैव बना रहेगा।दिवंगत शंकर शील के मित्र और विशिष्ट सांस्कृतिक व्यक्तित्व भास्कर दास भी श्रद्धांजलि देते समय भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि शंकर शील में हर किसी को अपना बना लेने की अद्भुत क्षमता थी। वे हमेशा मुस्कुराकर लोगों से बात करते थे। पिछले वर्ष 'आपनजन क्लब' की प्रतिमा विसर्जन की तैयारियों के दौरान शंकर शील के कहे शब्द ङ्कभास्कर है, अब किसी को चिंता करने की जरूरत नहींङ्क को याद करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी आत्मीयता आज एक शून्य छोड.गई है। कार्यक्रम में परिमल पुरकायस्थ, नूपुर दत्ता, अंजना नाथ, पल्लवी पाल, मौसुमी पाल, सुमन कंसबनिक, रूपक देव, सुजीत दास, फूलू दा, गौतम राय, गोपाल पाल, मणिभूषण चौधरी तथा जुबिन गर्ग के बाल कलाकारों ने गीतों के माध्यम से दिवंगत शंकर शील को श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर नॉर्थ ईस्ट न्यूज़.परिवार की ओर से मुख्य संपादक मणिभूषण चौधरी सहित अन्य सदस्यों ने दिवंगत शंकर शील के परिवार को श्रद्धा-स्मारक प्रदान किया।संगीत संयोजन में ऑक्टोपैड पर विप्रतीप राय, कीबोर्ड पर मुन्ना कर, हारमोनिका पर परिमल दास, लीड गिटार पर मानिक दत्त तथा बेस गिटार पर सुरजीत शर्मा ने सहयोग किया।

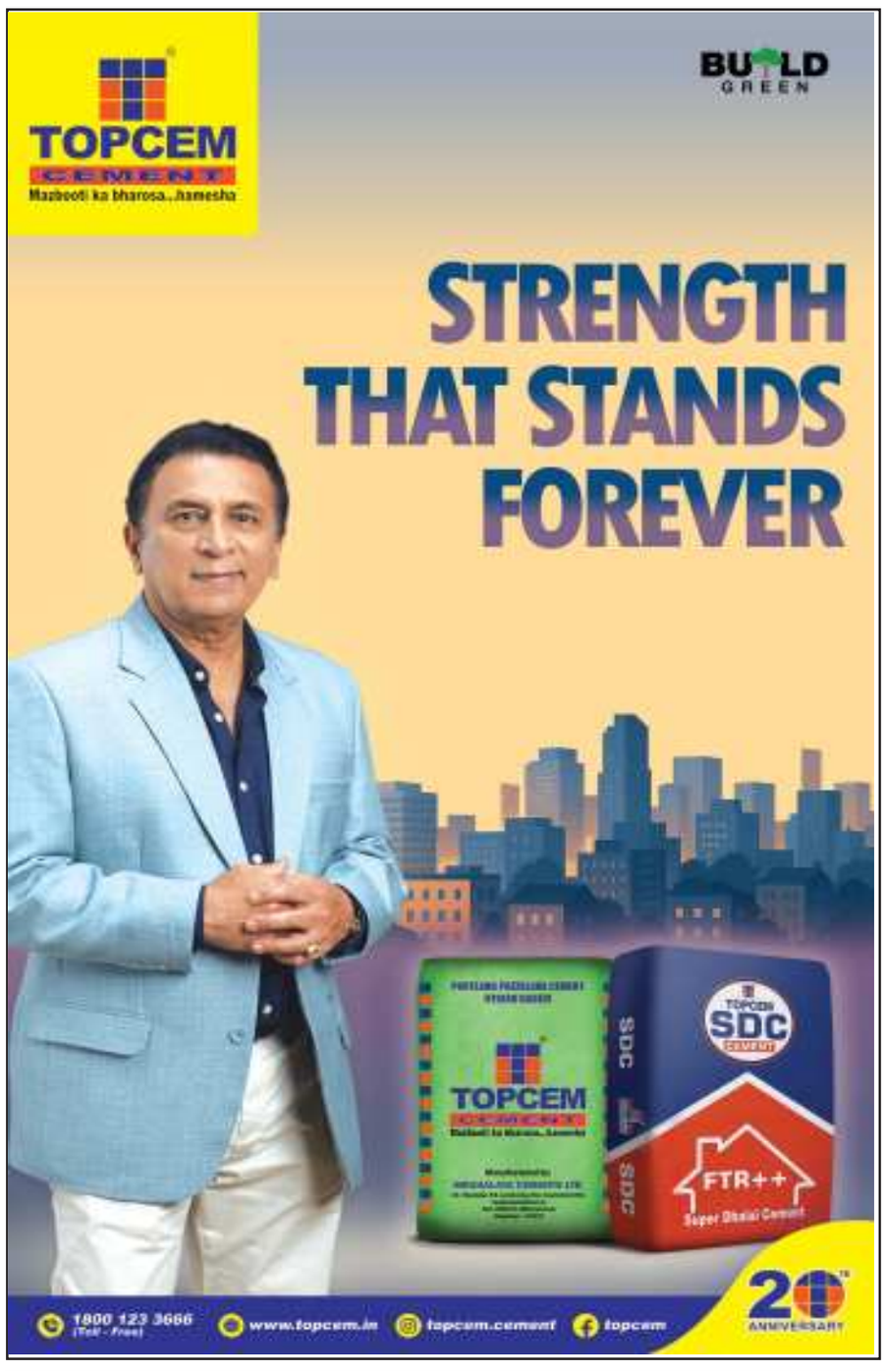

Chai Piyo, Mast Raho ROSEKANDY TEA - Golden Fresh Premium Tea

शुद्धता, स्वाद और खुशबू का बेहतरीन संगम उपलब्ध विशेष वेरायटीज:

Yellow Tea - हल्की, ताजग़ी से भरपूर
White Tea - सेहत और सुकून का सही स्वाद
Green Tea - फिटनेस और फ्रेशनेस के लिए
Premium CTC Tea - हर सुबह की परफेक्ट चाय
भरोसेमंद नाम - ROSEKANDY

मुद्रक, प्रकाशक व स्वामी श्री दिलीप कुमार द्वारा भारती ऑफसेट मुद्रणालय, कटहल रोड, शिलचर-05 (असम) से मुद्रित व प्रकाशित, सम्पादक-श्रीमती सीमा कुमार, Ph & Fax (03842) 242633, (M) 9435213512